हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 226 बेमेतरा, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

गुंडागर्दी खत्म करने से लेकर घुसपैठियों की विदाई तक, मोदी ने बंगाल के मतदाताओं को दे दी ये 6 बड़ी गारंटी

हल्दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के हल्दिया में एक रैली को संबोधित करते हुए राज्य की मौजूदा सरकार पर जमकर हमला किया। उन्होंने जनता से कहा कि अगर राज्य में वो बीजेपी की सरकार बनाते हैं तो उन्हें वो छह बड़ा तोहफा देंगे। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे मालूम है कि आप बंगाल में गुंडागर्दी और अवैध घुसपैठियों की समस्या से कितने परेशान हैं। अगर हमारी सरकार बनी तो इन दोनों समस्याओं के साथ-साथ आपको और चार बड़ी चिंताओं से मुक्ति दिलाना हमारी सरकार का पहला काम होगा। पीएम मोदी ने कहा कि अगर

हमारी सरकार बनती है तो हम गुंडाराज और घुसपैठियों की समस्या को खत्म करने के साथ-साथ सेवा के लिए जवाबदेही, खुलेगी हर भ्रष्टाचारी की फाइल, भ्रष्टाचारी जाएंगे जेल, सरकारी कर्मचारियों को देंगे बड़ा तोहफा देने की बात कही. उन्होंने कहा कि ये मोदी की गारंटी है. हमारी सरकार बनते ही हम इसे पूरा करके भी दिखाएंगे।

पीएम मोदी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि TMC अब बंगाल को मछली भी नहीं दे पा रही है, यहां मछली का उत्पादन घटा है, जबकि जबकि बिहार में मछली का उत्पादन दोगुना हुआ है क्यों कि बीजेपी ने मछुआरों के लिए बहुत काम किया है.

टीएमसी पर जमकर बोला हमला

पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी की निर्मम सरकार में सिर्फऔर सिर्फ घुसपैठियों की फैक्ट्री फली-फुली है. सिर्फ फर्जी दस्तावेज बनाना और पशुओं की तस्करीका विकास हुआ है, ये इसलिए हुआ क्योंकि TMC की राजनीति भय पर आधारित है. उनकी राजनीति का एक ही केंद्र भय है। यहां की सरकार गुंडागर्दी करके लोगों को डराना चाहती है. ये अब नहीं चलेगा। टीएमसी पर हमलावर पीएम मोदी ने कहा कि जो बंगाल कभी भारत की प्रगति का आधार था, जो बंगाल कभी भारत की मैन्युफैक्चरिंग और व्यापार को मजबूती देता था, उसी बंगाल को टीएमसी ने विकास के पैमानों पर इतना नीचे ला दिया है।

हल्दिया, सदियों पहले भी ऐतिहासिक ताम्रलिप्त एक फलती-फूलती समृद्ध नगरी थी. दुनिया भर के साथ यहां से व्यापार और कारोबार होता था. यह आधुनिक भारत के बड़े औद्योगिक केंद्रों में से एक था, लेकिन पिछले दशकों में यहां की फैक्ट्रियों में ताले लटक रहे हैं।

शिक्षा से छत्तीसगढ़ को ज्ञान, कौशल और नवाचार का अग्रणी केंद्र बनाना हमारा ध्येय है

छत्तीसगढ़ में एआई आधारित शिक्षा की नई शुरुआतः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से गूगल इंडिया प्रतिनिधियों की मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा को भविष्य की तकनीकों से जोड़ते हुए, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नवाचारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गूगल फॉर एजुकेशन इंडिया के प्रमुख संजय जैन एवं गूगल इंडिया के पब्लिक पॉलिसी प्रमुख राकेश रंजन ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने अतिथियों का पारंपरिक सम्मान करते हुए उन्हें शॉल एवं बस्तर कला की प्रतिकृति भेंट की। गूगल फॉर एजुकेशन इंडिया के प्रमुख संजय जैन ने रायपुर जिला प्रशासन और गूगल के मध्य हुए लेटर ऑफ इंटेंट (LOI) की जानकारी साझा करते हुए बताया कि रायपुर

जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में "AI सक्षम शिक्षा अभियान" की शुरुआत की गई है। इस अभियान के माध्यम से स्कूल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नवाचारों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि "सक्षम शिक्षक अभियान" के तहत राज्य में शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल टूल्स और AI आधारित शिक्षण पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पहल के प्रथम चरण की शुरुआत रायपुर से की जाएगी, जिसके बाद इसे राज्य के सभी जिलों में विस्तार दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत 2 लाख से अधिक शिक्षकों को AI प्रमाणन प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए गूगल फॉर एजुकेशन अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को निःशुल्क उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है, जिससे शिक्षकों को तकनीकी रूप से सशक्त किया जा सके। कार्यक्रम के तहत प्रारंभिक चरण में 200 शिक्षकों की सहभागिता से विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें गूगल फॉर एजुकेशन टूल्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही, कक्षा शिक्षण में AI के प्रभावी उपयोग और विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीक-सक्षम और नवाचार आधारित बनाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों को शिक्षा से जोड़ना केवल एक पहल नहीं, बल्कि प्रदेश के विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्व. भुलऊ प्रसाद कौशिक को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक के बड़े भाई स्वर्गीय भुलऊ प्रसाद कौशिक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बिलासपुर के परसदा स्थित विधायक निवास में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर स्व. भुलऊ प्रसाद कौशिक के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री साय ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि स्वर्गीय भुलऊ प्रसाद कौशिक का स्नेह, संस्कार और त्याग परिवार की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि उनका सरल, स्नेहमयी और विनम्र व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री साय ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल दें। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, मरवाही विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ईसाई बन जाओ, नहीं तो नौकरी छोड़ दो

सालेम स्कूल में धर्मांतरण का दबाव, पीड़ितों ने सुनाई आपबीती

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण का खेल जारी है। इस तरह के मामले लगातार आने के बाद भी थम नहीं रहे हैं। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण का खेल जारी है। इस तरह के मामले लगातार आने के बाद भी थम नहीं रहे हैं। अब प्रदेश की राजधानी रायपुर के मोतीबाग स्थित सालेम इंग्लिश स्कूल में हिंदू कर्मचारियों पर धर्मांतरण करने का दबाव बनाने का आरोप लगा है। उन्हें हिंदू से ईसाई बनने के लिये दबाव डाला जा रहा है। सैलरी नहीं दी जा रही है। इतना ही नहीं पीएफ का पैसा भी रोक दिया गया है। इससे परेशान होकर पीड़ितों ने पुलिस प्रशासन का दरवाजा खटखटाया है। इस संबंध में सिविल लाइन थाना और आदिवासी थाना बूढ़ापारा में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है। इस चौंकाने वाले मामले को लेकर रायपुर में हड़कंप मचा हुआ है।

इजरायल ने लेबनान पर बरसाया कहर, 10 मिनट में दागीं 100 मिसाइल, 250 लोगों की मौत

नई दिल्ली। इजरायल ने रात पूरे लेबनान में हवाई हमलों की झड़ी लगा दी। जानकारी के अनुसार इजरायल ने 10 मिनट के अंदर 100 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए। जिन्हें उसने हिज्बुल्लाह के कमांड सेंटर और सैन्य ठिकाने बताया। इस हमले में 250 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

हमले में मारे गए 250 लोग, 890 घायलों का इलाज जारी

वहीं, अधिकारियों का कहना है कि ईरान में सीजफायर (युद्धविराम) के बावजूद, लेबनान के हथियारबंद गुट हिज्बुल्लाह के खिलाफ युद्ध जारी है। इजरायल ने इस हवाई हमले को अब तक का सबसे बड़ा हमला

बताया है। बेरूत के दक्षिणी उपनगरों, दक्षिणी लेबनान और पूर्वी बेका घाटी के सभी जगहों को निशाना बनाया गया है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कम से कम 2 लोग मारे गए हैं। यह संख्या अभी और बढ़ सकती है। इसके अलावा 890 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि बेरूत में हुए अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले की जगह पर, कई घंटों बाद भी, आपातकालीन बचावकर्मी क्षतिग्रस्त इमारतों में लोगों की तलाश कर रहे थे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस युद्ध के कारण न जाने कितनी जिंदगी मलबे के नीचे दब गई है। अब तक कुल 1,700 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें कम से कम 130 बच्चे शामिल हैं। जबकि इजरायल का कहना है कि उसने हिज्बुल्लाह के लगभग 1,100 लड़ाकों को मार गिराया है। मालूम हो कि ये हमले तब हुए जब इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के दफ्तर ने पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर दिया कि संघर्ष-विराम समझौते में लेबनान भी शामिल है।

पीलिया का कहर : दो दिनों से नलों में आ रहा गंदा पानी, 35 से ज्यादा बच्चे बीमार

दुर्ग। भिलाई के सेक्टर 7 में पीलिया फैलने से इलाके में हड़कंप मच गया है। क्षेत्र में 35 से ज्यादा बच्चे बीमार हो गए हैं। बताया जा रहा है कि लगातार पिछले दो दिनों से पाइपलाइन से गंदे पानी की सप्लाई हो रही है, जिसके कारण सभी क्वाटरों में पानी गंदा आ रहा है। यही गंदा पानी पीने के कारण बच्चे बीमार हो

रहे हैं। बता दें कि भिलाई के तमाम सेक्टर इलाके जो भिलाई इस्पात संयंत्र के टाउनशिप विभाग के अंतर्गत आते हैं वहां संयंत्र का वाटर सप्लाई विभाग ही पानी की सप्लाई करता है। ऐसे में गंदा पानी आने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। फिलहाल भिलाई नगर निगम के स्वास्थ्य प्रभारी और अन्य अधिकारी लगातार बीएसपी टाउनशिप के अधिकारियों के संपर्क में है।

स्टेशनपारा में तीन साल से अधूरा अंडरब्रिजः रेलवे डिवीजनल इंजीनियरिंग विभाग की लापरवाही से राजनांदगांव की जनता बेहाल

अंडरब्रिज निर्माण में लापरवाही से भड़का जनाक्रोश, हालात गंभीर

राजनांदगांव। शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अंडरब्रिज निर्माण कार्य में हो रही लापरवाही अब गंभीर जनआक्रोश का रूप ले चुकी है। वर्षों से लंबित इस परियोजना को लेकर जनता का सब्र टूटता नजर आ रहा है और स्थानीय नागरिकों में गहरी नाराजगी व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार, स्टेशनपारा, शिक्षक नगर, रामनगर, शंकरपुर, शांति नगर, ढाबा, गठला एवं बोरी जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों से प्रतिदिन हजारों लोग खैरागढ़-राजनांदगांव मुख्य मार्ग से आवागमन करते हैं। पूरे क्षेत्र के लिए फिलहाल केवल एक संकीर्ण ओवरब्रिज ही विकल्प बचा है, जहां रोजाना भीषण जाम की स्थिति बनती है और लगातार हो रही दुर्घटनाएं कई जिंदगियां लील चुकी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले स्टेशनपारा स्थित रेलवे फाटक क्रमांक 460 से आवागमन सुगम था, जिससे ओवरब्रिज पर दबाव नहीं पड़ता था। लेकिन करीब तीन वर्षों से अंडरब्रिज निर्माण के नाम पर फाटक बंद कर दिया गया है, जबकि वास्तविकता यह है कि निर्माण कार्य अब तक अधूरा और उपेक्षित पड़ा हुआ है। इसके चलते आम जनता—महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे—अपनी जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं। लोगों का आरोप है

कि रेलवे के डिवीजनल इंजीनियरिंग विभाग की लापरवाह कार्यशैली इसका मुख्य कारण है। जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी और उदासीनता ने हालात को और बिगाड़ दिया है, जिससे समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। जनता का कहना है कि अब स्थानीय स्तर पर समाधान की उम्मीद खत्म हो चुकी है और मामले में रेलवे के महाप्रबंधक (GM) के तत्काल हस्तक्षेप के बिना स्थिति सुधरना मुश्किल है। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि जहां एक ओर देश का शीर्ष नेतृत्व रेलवे को आधुनिक और यात्री सुविधाओं से लैस बनाने की बात करता है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर स्थिति बिल्कुल विपरीत नजर आती है। डोंगरगढ़ और राजनांदगांव के अमृत भारत स्टेशनों को छोड़ दें तो बकल, जतकनार, मुसरा, रसमराहा, सालेकसा सहित अन्य स्टेशन उपेक्षा का शिकार हैं, बदहाल स्थिति में हैं और यात्रियों के लिए आवश्यक सुविधाओं का घोर अभाव है। यह स्थिति न केवल लापरवाही, बल्कि जवाबदेही की कमी को भी उजागर करती है।

पूर्व में समय-समय पर स्थानीय नागरिकों द्वारा किए गए आंदोलनों के बावजूद अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं, कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही अंडरब्रिज निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया, तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और रेलवे अधिकारियों की होगी। अंत में प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही अंडरब्रिज निर्माण कार्य पूर्ण कर व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया, तो जनता आर-पार की लड़ाई के लिए बाध्य होगी।

ट्रंप ने रुट्टे से व्हाइट हाउस में मुलाकात की, नाटो की आलोचना की

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में नाटो महासचिव मार्क रुट्टे के साथ एक निजी बैठक के बाद, ईरान युद्ध में अमेरिका का समर्थन न करने के लिए नाटो की फिर से आलोचना की। यह जानकारी बीबीसी ने गुरुवार को दी। बैठक के बाद ट्रुथ सोशल पर साझा की गई एक पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, जब हमें नाटो की जरूरत थी तब वे मौजूद नहीं थे और अगर हमें उनकी फिर से जरूरत पड़ी तो वे मौजूद नहीं होंगे।

बिहार पुलिस की ऐसे खुली पोल

'मुर्दा' लौट आई जिंदा, बेगुनाह देवर 10 महीने से काट रहा था जेल

नई दिल्ली। कानून अंधा होता है, यह कहावत आपने जरूर सुनी होगी। लेकिन बिहार के कटिहार जिले में यह कहावत नहीं बल्कि एक सच्ची घटना है। जहां पुलिस की एक बड़ी लापरवाही ने एक बेगुनाह की जिंदगी के 10 बेशकीमती महीने सलाखों के पीछे धकेल दिए. जिस महिला की 'हत्या' के जुर्म में पुलिस ने चचेरे देवर को जेल भेजा और महीनों तक खाक छानी, वह महिला न केवल जिंदा है, बल्कि अपने प्रेमी के साथ जीवन बिता रही थी. महिला के जिंदा होने की खबर मिलने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

10 महीने पहले गायब हुई थी महिला

जानकारी के अनुसार, यह मामला कटिहार के आजमनगर थाना क्षेत्र के कुशहा गांव का है. करीब 10 महीने पहले गांव की

ही एक महिला लख्खी देवी अचानक लापता हो गई. काफी खोजबीन के बाद जब महिला का पता नहीं चला तो उसके मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का शक जताया. पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज कर लिया. महिला के परिजनों की तहरीर पर चचेरे देवर राजेश यादव के खिलाफअपहरण और हत्या का मामला दर्ज हुआ।

जेल में सजा काट रहा देवर

हैरानी की बात यह है कि पुलिस ने बिना किसी शव की बरामदगी के इस मामले को हत्या मान लिया. राजेश के परिजनों का कहना है कि पुलिस ने उन पर दबाव बनाया और जबरन कबूलनामे के आधार पर जेल भेज दिया. उस वक्त पुलिस ने दावा किया था कि महिला की हत्या कर शव को महानंदा नदी में फेंक दिया गया था. राजेश पिछले 10 महीनों से पूर्णिया जेल में बंद था।

ऐसे हुआ 'जिंदा' होने का खुलासा

मामले में नाटकीय मोड़ तब आया जब आजमनगर पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि लख्खी देवी मरी नहीं है, बल्कि सुधानी थाना क्षेत्र के दोगज गांव में अपने प्रेमी के साथ छिपकर रह रही है. पुलिस ने जब वहां छापेमारी की, तो लख्खी देवी को सही-सलामत बरामद कर लिया गया. महिला के जिंदा मिलते ही पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए हैं।

जांच अधिकारी पर होगा एक्शन

कटिहार के एसपी शिखर चौधरी ने बताया कि इस मामले में अपहरण का केस दर्ज कराया गया था. महिला के देवर पर हत्या का आरोप लगा था और जेल भेजा गया था. 10 महीने बाद महिला को बरामद किया गया है. इस मामले में जांच अधिकारी की लापरवाही सामने आई है. पुलिस जांच कर रही है. लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी. इसके अलावा जिन लोगों ने शिकायत दर्ज कराई थी उन पर भी कार्रवाई होगी।

राजनाथ ने जनरल फान वान को वियतनाम का उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री नियुक्त होने पर दी बधाई

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जनरल फान वान जियांग को वियतनाम का उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री नियुक्त किये जाने पर बधाई दी है। सिंह ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत वियतनाम के साथ अपने दीर्घकालिक रक्षा संबंधों को और मजबूत करने तथा सुरक्षा, सैन्य आदान-प्रदान और औद्योगिक सहयोग के क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने की आशा करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत-वियतनाम साझेदारी आने वाले वर्षों में निरंतर और अधिक सशक्त होती रहेगी।

कांकेर पुलिस : बेहतरीन कार्य करने वाले 6 पुलिसकर्मियों को मिला 'कॉप ऑफद मंथ' सम्मान

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-कांकेर जिला पुलिस बल के मनोबल को बढ़ाने और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। माह फरवरी 2026 के लिए जिले के विभिन्न थानों में पदस्थ पुलिसकर्मियों को उनकी कर्तव्यनिष्ठा और जटिल मामलों को सुलझाने में निभाई गई अहम भूमिका के लिए ÷कॉप ऑफ द मंथ÷ सम्मान से नवाजा गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एसपी राखेचा ने चयनित पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति-पत्र भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि कांकेर पुलिस अपने समर्पित पुलिसकर्मियों के उत्साहवर्धन और कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाले निम्नलिखित पुलिसकर्मियों को इस माह सम्मानित किया गया निरीक्षक जितेन्द्र गुप्ता (थाना कोरर) अपराधों के त्वरित निराकरण और लंबे समय से लंबित स्थायी वारंटों की तामीली में विशेष भूमिका के लिए। उप निरीक्षक आलोक सुबोध (थाना अंतागढ़) एनडीपीएस एक्ट (नशीले पदार्थ) के तहत बड़ी बरामदगी और मामले की प्रभावी विवेचना के लिए।सहायक उप निरीक्षक गंगाराम शोरी (चौकी दुधावा) हत्या जैसे संगीन मामले में आरोपी की तत्परता से गिरफ्तारी और सफल विवेचना हेतु । सहायक उप निरीक्षक सुधारू राम मरकाम (थाना नरहरपुर) हत्या के विभिन्न प्रकरणों में सूक्ष्म एवं उत्कृष्ट विवेचना कार्य के लिए। आरक्षक क्रमांक 1054 चंदन कुलदीप (थाना गोण्डाहुर) वन्य जीव संरक्षण अधिनियम और आर्म्स एक्ट के मामलों को सुलझाने में महत्वपूर्ण योगदान हेतु ।आरक्षक क्रमांक 1241 यशवंत मंडावी (थाना बांदे) मादक पदार्थ (गांजा) और आबकारी एक्ट के तहत की गई प्रभावी कार्रवाई के लिए।इस सम्मान समारोह से जिला पुलिस बल के अन्य कर्मचारियों में भी उत्साह का माहौल है। अधिकारियों का मानना है कि इस तरह के सम्मान से मैदानी स्तर पर काम करने वाले पुलिसकर्मियों में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

खाद्य विभाग में नौकरी लगवाने के नाम पर 15 लाख की ठगी, जेल दाखिल, चांपा पुलिस की कार्रवाई

चांपा/मूक पत्रिका

खाद्य विभाग में रायपुर में नौकरी लगवाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को चांपा पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। यह कार्रवाई थाना चांपा द्वारा धोखाधड़ी के गंभीर मामले में की गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी भीम कुमार पटेल पिता स्व. मोहनलाल पटेल, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम जरवे थाना नगरदा जिला सक्ती ने स्वयं को मंत्रालय रायपुर में ऊंचे संपर्क होने का दावा करते हुए खाद्य विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा दिया। इस झांसे में आकर प्रार्थी यशवंत सिंह, निवासी गुरु नानक रेसिडेंसी चांपा, ने आरोपी को कुल 15 लाख रुपये देने की सहमति दी। प्रकरण के अनुसार दिनांक 15 जुलाई 2024 को प्रार्थी ने 7 लाख रुपये यूनियन बैंक शाखा चांपा से ऋञ्ज्त्रस् के माध्यम से आरोपी के बैंक खाते में ट्रांसफर किए। शेष 8 लाख रुपये नौकरी ज्वाइनिंग के बाद लेने की बात कही गई थी। तीन माह बीतने के बाद भी जब नौकरी नहीं लगी तो आरोपी टालमटोल करने लगा। दबाव बनाने पर आरोपी ने 28 नवंबर 2025 को फोनपे के माध्यम से 1 लाख रुपये वापस किए, लेकिन शेष रकम लौटाने से इंकार कर दिया और धमकी देने लगा। पीड़ित की रिपोर्ट पर थाना चांपा मे धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए निवेदिता पाल पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा के निर्देशन में, उमेश कश्यप अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा योगिता बाली खापर्डे अनुविभागीय पुलिस अधिकारी चांपा के मार्गदर्शन में त्वरित कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने आरोपी को ग्राम जर्वे थाना नगरदा से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने खाद्य निरीक्षक पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करना स्वीकार किया, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया हैं। इस कार्रवाई में अशोक कुमार वैष्णव थाना प्रभारी चांपा, उप निरीक्षक उमेंद्र मिश्रा, प्रधान आरक्षक नरसिंह बर्मन, आरक्षक शैलेंद्र सूर्यवंशी सहित थाना स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

भाजपा का 47वां स्थापना दिवस धमधा मंडल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

धमधा /मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर धमधा भाजपा मंडल द्वारा हर्षोल्लास के साथ भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र ब्रह्मभट्ट के नेतृत्व में महान विभूतियों डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण कर की गई।इस अवसर पर प्रमुख वक्ता एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 6 अप्रैल 1980 को स्थापित भारतीय जनता पार्टी आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुकी है। उन्होंने कहा कि पार्टी ÷राष्ट्र प्रथम, संगठन द्वितीय और स्वयं अंतिम÷ के सिद्धांत पर कार्य करते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए निरंतर समर्पित है। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष श्वेता अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में देश की ÷विकसित भारत÷ की यात्रा तथा केंद्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

इस दौरान मंडल के पुराने एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कार्यकर्ताओं द्वारा स्थानीय क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा पौधारोपण भी किया गया। नगर पंचायत उपाध्यक्ष बृजेन्द्र दानी ने सभी कार्यकर्ताओं से ÷सेवा ही संगठन÷ के मंत्र को आत्मसात करते हुए घर-घर जाकर सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार का आह्वान किया। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री छगन साहू, बनऊं वर्मा, मंडल उपाध्यक्ष देवनाथ सोनकर, मंडल मंत्री मनीषा ताम्रकार, मनोज साहू, मनमोहन चंदेल, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्वेता शर्मा, जितेंद्र साहू, हर्ष साहू, बलदाऊ पाल, छत्रपाल चंदेल, जागेश्वर मंडावी, जिला कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र ताम्रकार, प्रशांत अग्रवाल, सागर वर्मा, योगेश बंजारे, पार्षद मलिक कुरैशी, कुमारीबाई टोंडरे, अशोक यादव, शीला शर्मा, पीयूष ताम्रकार, पुरेंद्र सोनकर सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक और निष्ठावान कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शौर्य दिवस पर वीरता को नमन, 85वीं बटालियन सीआरपीएफमें हुआ गरिमामय आयोजन

शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि, जवानों ने दोहराई राष्ट्र सेवा की प्रतिबद्धता

बीजापुर/मूक पत्रिका

नयापारा स्थित 85वीं बटालियन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में गुरुवार को शौर्य दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में वीर जवानों के अदम्य साहस, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शौर्य दिवस 09 अप्रैल 1965 की उस ऐतिहासिक घटना की याद दिलाता है, जब कच्छ के रण स्थित सरदार पोस्ट पर सीआरपीएफकी एक छोटी टुकड़ी ने पाकिस्तानी सेना के हमले का डटकर मुकाबला किया था। विपरीत परिस्थितियों में भी जवानों ने असाधारण वीरता और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए देश की सुरक्षा सुनिश्चित की थी।इस अवसर पर बटालियन मुख्यालय में श्रद्धांजलि सभा एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। अधिकारियों और जवानों ने शहीदों को नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया और राष्ट्र सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी पवन कुमार और सुरेश ओराम सहित सभी अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। इसके बाद आयोजित सैनिक सम्मेलन में अधिकारियों ने जवानों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और पेशेवर उत्कृष्टता बनाए रखने का संदेश दिया। शौर्य दिवस के उपलक्ष्य में जवानों के उत्साहवर्धन के लिए वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं रात्रि में आयोजित सामूहिक भोजन कार्यक्रम ने आपसी भाईचारे और एकजुटता को और मजबूत किया। द्वितीय कमान अधिकारी पवन कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि सीआरपीएफ के जवान हर परिस्थिति में देश की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा के लिए समर्पित रहते हैं। चाहे नक्सल विरोधी अभियान हो या चुनाव ड्यूटी, बल के जवान हमेशा अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करते हैं। शौर्य दिवस का यह आयोजन जवानों को राष्ट्र सेवा के प्रति और अधिक समर्पण, साहस और निष्ठा के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

महादेव घाटी में शौर्य दिवस पर वीरों को नमन, 196वीं बटालियन में गरिमामय आयोजन

शहीदों को श्रद्धांजलि, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति का दिया संदेश

बीजापुर/मूक पत्रिका

महादेव घाटी स्थित 196वीं बटालियन मुख्यालय में गुरुवार को शौर्य दिवस श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति व्यवस्था के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम महादेव घाटी मुख्यालय के साथ उसूर, नम्बी, पुजारीकांकेर, ताड़पाला घाटी और ताड़पाला हिल (करेगुटालु पहाड़ी) स्थित समवाय स्थलों पर भी आयोजित किया गया। अधिकारियों और जवानों ने शहीदों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया।इस दौरान बटालियन के शहीद सिपाही सतपाल, सिपाही देवेंद्र कुमार और सिपाही दिलीप पासवान को विशेष रूप से याद किया गया, जिन्होंने बीजापुर के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। वहीं, ड्यूटी के दौरान घायल हुए हेड कॉन्स्टेबल राकेश कुल्लू का सम्मान किया गया, जिन्होंने जनवरी 2025 में आईईडी विस्फोट में अपना एक पैर गंवाने के बावजूद उपचार के बाद पुनः सेवा में लौटकर साहस का परिचय दिया। सिपाही कृष्ण कुमार यादव के अदम्य साहस की भी सराहना की गई।

कार्यक्रम में कमांडेंट कुमार मनीष ने अधिकारियों और जवानों को कर्तव्य के प्रति शौर्य और समर्पण की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि बल के जवान हर परिस्थिति में राष्ट्र की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहें और अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें। इस मौके पर द्वितीय कमान अधिकारी दिनेश, चिकित्सा अधिकारी डॉ. शुभम नितिन पवार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वहीं समवाय स्थलों पर उप कमांडेंट कुणाल किशोर, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. किरण राज, सहायक कमांडेंट रमेश नायक, संतोष कुमार पटेल और तरुण कुमार मीना की उपस्थिति रही।कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने जवानों को शौर्य, अनुशासन, कर्तव्यपरायणता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। अंत में सभी उपस्थित अधिकारियों और जवानों ने शहीदों के सम्मान में मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। शौर्य दिवस का यह आयोजन जवानों में देशभक्ति, समर्पण और प्रेरणा की भावना को और मजबूत करने का माध्यम बना।

इंडिया के सबसे बड़े सुपरस्टार अल्लू अर्जुन का धमाका, जन्मदिन पर एटली के साथ अपनी अगली फिल्म 'राका' का चौंकाने वाला लुक किया रिवील

जित मुम्बई/मूक पत्रिका

इंडिया के सबसे बड़े सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपनी अगली धमाकेदार एक्शन फिल्म के साथ तैयार हैं। एटली के साथ मिलकर और दीपिका पादुकोण के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए, वो एक बहुत बड़े ब्लॉकबस्टर इवेंट की नींव रख रहे हैं, जिसकी कमान पूरी तरह से अल्लू अर्जुन के हाथों में है।अल्लू अर्जुन इंडियन सिनेमा के सबसे बड़े सुपरस्टार हैं, जिन्होंने पर्दे पर अपनी बादशाहत साबित की है और पूरी दुनिया में उनके चाहने वालों की कमी नहीं है। हर बार की तरह, दुनिया भर में उनके फैंस उनकी अगली फिल्म से जुड़े हर अपडेट का बेसब्री से इंतज़ार करते हैं। अल्लू अर्जुन अपने फैंस को बड़े सरप्राइज देने के लिए जाने जाते हैं, और इस बार भी कुछ अलग नहीं है।अल्लू अर्जुन का जन्मदिन, जो इंडियन सिनेमा के सबसे बड़े स्टार के जश्न के तौर पर शुरू हुआ था, अब इंडस्ट्री के लिए एक बेहद खास तारीख बन चुका है, क्योंकि हर साल इस दिन बड़ी अनाउंसमेंट्स होती हैं। और इस बार, यह पहले से कहीं ज्यादा बड़ी, साहसी और बिल्कुल अनपेक्षित है। अपने जन्मदिन के मौके पर, अल्लू अर्जुन ने एटली के साथ अपनी अगली बड़ी फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया है और साथ ही फिल्म के नाम का भी ऐलान कर दिया है।फिल्म का पोस्टर और नाम शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, ÷म्र22×6 अब स्त्रञ्जुड्डद्मड्ड है ?? खुद को एक ऐसी कल्पना के लिए तैयार कर लीजिए जो हर सीमा के पार है। यह पोस्टर अल्लू अर्जुन का एक चौंकाने वाला और पूरी तरह बदला हुआ लुक सामने लाता है, जिसमें वो एक ऐसे इंटेंस अवतार में दिख रहे हैं जो पहले कभी नहीं देखा गया। एक भेड़िये जैसा बालों वाला हाथ, जिसमें बड़े-बड़े नाखून हैं, उनके चेहरे को थोड़ा सा ढक रहा है, जबकि उनकी काजल लगी तीखी आँखें सबका ध्यान खींच रही हैं। आधा गंजा सिर, रफ हेयरस्टाइल और 'राका' (ऋड्डद्मड्ड) नाम के साथ, यह लुक एक अलग ही पावर और रहस्य का अहसास कराता है। इसने एक बहुत बड़े सिनेमाई तमाशे की नींव रख दी है, और ऐसा कुछ सिर्फ अल्लू अर्जुन ही कर सकते हैं।यह एक बहुत ही हिम्मत वाला बदलाव है, खासकर उस स्टार के लिए जो हमेशा सीमाओं को पार करने के लिए जाना जाता है। ऐसा कुछ न तो भारत में और न ही ग्लोबल लेवल पर पहले कभी देखा गया है। कल रिलीज हुए पोस्टर में एक गहरे बैकग्राउंड से भेड़िये जैसा बालों वाला हाथ और नुकीले नाखून निकलते हुए दिखे, जिसने तुरंत ही फिल्म के लिए एक गंभीर और दिलचस्प माहौल बना दिया। भारत की सबसे बड़ी फिल्म 'पुष्पा' की ऐतिहासिक सफलता के ठीक बाद, उम्मीदें पहले से ही बहुत ज्यादा थीं। फिर भी, अपनी सुपरस्टारडम के शिखर पर होने के बावजूद सेफ खेलने के बजाय, अल्लू अर्जुन ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वो क्यों सबसे अलग हैं और क्यों उन्हें निर्विवाद पैन-इंडिया स्टार कहा जाता है। इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा स्टार होने के बाद भी, वो निडर होकर फैसले लेते हैं और लगातार खुद को नए तरीके से पेश कर अपनी ही बनाई राह को चुनौती देते रहते हैं।सिनेमा में अपने शानदार 23 साल पूरे करने वाले अल्लू अर्जुन का सफर हमेशा से निडर और साहसी फैसलों के लिए जाना जाता है, जो हर बार सही साबित हुए हैं। अलग-अलग किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट करने से लेकर कमर्शियल सिनेमा को नए सिरे से परिभाषित करने तक, उन्होंने मनोरंजन की असली रूह को बरकरार रखते हुए हर बार सीमाओं को पार किया है। हर फिल्म के साथ खुद को नए अंदाज में ढालने और मास ऑडियंस से जुड़ने की उनकी काबिलियत उन्हें सबसे अलग बनाती है, जो उन्हें सिर्फ एक सुपरस्टार नहीं बल्कि एक ऐसा 'फेनोमेनन' बनाती है जो वक्त के साथ और भी बेहतर होता जा रहा है।एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए, यह फिल्म पहली बार अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण को एक साथ ला रही है। यह कोलैबोरेशन इंडियन सिनेमा के दो सबसे बड़े सितारों का मिलन है, जो अपनी जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस और पैन-इंडिया अपील के लिए मशहूर हैं। जब दो ऐसे पावरहाउस परफॉर्मर्स एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे, तो यह फिल्म यकीनन एक ब्लॉकबस्टर अनुभव देने वाली है, जिसमें टैलेंट, स्केल और स्टार पावर का ऐसा मेल होगा जो वाकई बेजोड़ है।अल्लू का यह नया अवतार सिर्फ एक और फिल्म का इशारा नहीं है, बल्कि एक बहुत बड़े सिनेमाई इवेंट की शुरुआत है। अपनी बेहतरीन लाइनअप और हर बैरियर को तोड़ने वाले विजन के साथ, अल्लू अर्जुन आज के दौर के इंडियन सिनेमा में स्टारडम के मायने बदल रहे हैं। अगर जन्मदिन सरप्राइज देने का मौका होता है, तो अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन को एक सालाना उत्सव में बदल दिया है, जिसका इंतजार दुनिया भर में उनके फैंस बेसब्री से करते हैं।

नवागढ़ क्षेत्र में टी बी उन्मूलन हेतु निक्षय निरामय फेस 0.2 अंतर्गत शिविर का हुआ सफल आयोजन

100 दिवसीय टी बी मुक्त भारत अभियान

अत्याधुनिक एक्स-रे मशीन से 174 उच्चोखिम लोगों का किया गया टी बी स्क्रीनिंग

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा में क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम तहत टीबी मुक्त बेमेतरा जिला बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत अत्याधुनिक एक्स-रे मशीन से उच्चोखिम लोगों का सभी विकासखण्ड में विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित कर टी बी स्क्रीनिंग किया जा रहा है साथ में टी बी मुक्त भारत अभियान की जानकारी, टी बी के लक्षण,उपचार, बचाव की संपूर्ण जानकारी उच्चोखिम लोगों को साझा किया जा रहा है। इसी क्रम में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान तहत 8 अप्रैल को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम जिला बेमेतरा के अंतर्गत कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ बी एल राज , जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री लता बंजारे जिला कार्यक्रम समन्वयक सुश्री संपत्ति बंजारे के साथ नवागढ़ विकासखण्ड बीएमओ , बीपीएम के नेतृत्व में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से नवागढ़ विकासखण्ड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर अंधियार खोर एवं जेवरा एन में शिविर आयोजित कर उच्च जोखिम समूहों का पहचान किया गया इस उच्चजोखिम समूह से 174 लोगों का अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से निःशुल्क एक्स-रे किया गया, तथा 4 लोगों का जो संदेहास्पद था उनका स्पूटम अत्याधुनिक ट्रू - नाट मशीन से जांच हेतु सैंपल कलेक्शन कराया गया । इस टी बी मुक्त अभियान शिविर में नवागढ़ विकासखण्ड के स्वास्थ्य विभाग से सभी स्टाफ मितानिन , द्वारा पूर्व से ही लोगों को टीबी के अभियान की संपूर्ण जानकारी घर-घर सर्वे कर दी गई एवं जनजागरूकता अभियान भी चलाया गया । जिला क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के जिले से यशवंत भारद्वाज डीपीपीएमसी, नवागढ़ से प्रमोद साहू सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर,द्वारा पूरी जिम्मेदारी से टीम गठित कर शिविर का आयोजन किया गया। साथ में जिला चिकित्सालय से रेडियोग्राफर मोहम्मद जावेद मंसूरी द्वारा अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन ऑपरेट किया गया ,साथ में किशन चेलक सीएचओ,अमित मनहर,मोहन यादव, आरएचओ,दीप निराला जेएसए,मितानिन एवं ग्रामीण जन अधिक संख्या में उत्साहित होकर उपस्थित रहें,शिविर में स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा कार्यो का सफल क्रियान्वयन किया गया ।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना : मुख्य अभियंता ने बेमेतरा जिले की सड़कों का किया सघन निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, सिविल लाईन्स रायपुर के मुख्य अभियंता श्री हरिओम शर्मा द्वारा बेमेतरा जिले का दौरा कर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (क्ख्तस्ड्ड) अंतर्गत निर्मित सड़कों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण 03 अप्रैल 2026 को किया गया, जिसमें विशेष रूप से 05 वर्ष की संधारण अवधि (मेंटेनेंस पीरियड) वाले सड़कों की स्थिति का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान सड़कों की गुणवत्ता, उपयोगिता एवं वर्तमान हालत का सूक्ष्म मूल्यांकन किया गया। मुख्य अभियंता ने जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर सड़कों के रखरखाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने पाया कि कुछ स्थानों पर नियमित संधारण कार्यों में कमी देखी जा रही है, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित सड़कों का नियमित रखरखाव एवं मरम्मत कार्य ठेकेदारों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता ने सड़कों के संधारण से जुड़े विभिन्न पहलुओं जैसे पैच रिपेयर, पॉट होल्स (गड्ढों) की मरम्मत, सड़क किनारे उगी झाड़ियों की सफाई, पुल-पुलियों की रंगाई-पुताई तथा आवश्यक मरम्मत कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण संधारण से ही सड़कों की दीर्घायु सुनिश्चित की जा सकती है और ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम बना रह सकता है। मुख्य अभियंता श्री शर्मा ने यह भी निर्देशित किया कि जिन ठेकेदारों द्वारा 05 वर्ष की नियमित संधारण अवधि के दौरान कार्यों में लापरवाही बरती जा रही है, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। ऐसे मामलों में संबंधित ठेकेदारों की बैंक गारंटी राशि राजसात (जब्त) करते हुए डी.एल.पी. (डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड) प्रकरण प्रस्तुत करने के लिए कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किया गया है। इससे कार्य में जवाबदेही एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता श्री मुकेश कुमार साकरकर, सहायक अभियंता श्री अमर सिंह पैकरा एवं उप अभियंता श्री यशवंत कुमार साहू सहित विभागीय अधिकारी एवं तकनीकी अमला उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, सतत मॉनिटरिंग एवं समयबद्ध संधारण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि ग्रामीण संपर्क मार्गों की गुणवत्ता बेहतर बनी रहे और आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिल सके।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आशीष छाबड़ा के पिता को दी श्रद्धांजलि

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बेमेतरा के पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष आशीष छाबड़ा के पिता स्वर्गीय सुरेंद्र छाबड़ा के निधन पर उनके निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। पूर्व मुख्यमंत्री ने इस घटना को अत्यंत दुखद और पीड़ादायक बताते हुए कहा कि पिता का साया जीवन की सबसे बड़ी शक्ति, मार्गदर्शक और संबल होता है। उनके जाने से जो रिक्तता उत्पन्न होती है, उसे शब्दों में व्यक्त करना वास्तव में असंभव है। यह ऐसा दुःख है, जिसे केवल महसूस किया जा सकता है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा की आत्मा की शांति एवं मोक्ष की प्रार्थना करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएँ शोक-संतप्त परिवार के साथ हैं। साथ ही उन्होंने परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहने के लिए धैर्य, शक्ति और संबल प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं।

एचपीवी टीकाकरण का शुभारंभ, 14 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को लगेगा टीका

सर्वाइकल कैंसर जैसे गंभीर बीमारी के बचाव हेतु सरकार की महत्वपूर्ण पहल

साजा/मूक पत्रिका

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साजा में बेटियों के उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की गई। गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा एचपीवी (HPV) टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। यह अभियान सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव हेतु एक सशक्त कदम है। इसके अंतर्गत 14 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन निःशुल्क लगाई जा रही है। भारत सरकार द्वारा संचालित इस राष्ट्रव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य गर्भाशय (सर्वाइकल) कैंसर की रोकथाम करना है। कार्यक्रम का आयोजन बीएमओ डॉ. अश्वनी कुमार वर्मा, एमओ डॉ. पुणेंद्र साहू एवं बीपीएम लोकेश साहू के नेतृत्व में किया गया, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का व्यापक प्रसार हुआ। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों, सुपरवाइजरों, मितानिनों एवं अन्य कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही।

इस संबंध में समस्त नागरिकों से अपील की जाती है कि लक्षित आयु वर्ग की बालिकाओं को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र–सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साजा, थान खम्हरिया, परपोड़ी एवं देवकर–में निर्धारित समय पर ले जाकर एचपीवी वैक्सीन निःशुल्क अवश्य लगवाएं।

सामान्य सभा कि बैठक संम्पन्न जल संकट पर सख्तीः अधूरे कार्यों पर ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला पंचायत बेमेतरा में बीते गुरुवार को सामान्य सभा की महत्वपूर्ण बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में साजा विधायक ईश्वर साहू, जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पदमाकर सहित जिला पंचायत सदस्य एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत पूर्व बैठक की कार्यवाही एवं पालन प्रतिवेदन की समीक्षा के साथ हुई। इसके बाद केडा, विद्युत, उद्योग, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई), जल संरक्षण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, श्रम तथा स्वास्थ्य विभागों के कार्यों एवं योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सड़कों की स्थिति, मरम्मत और अनुबंध से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। गर्मी के बढ़ते प्रभाव और संभावित जल संकट को देखते हुए अध्यक्ष ने पीएचई एवं विद्युत विभाग को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने खराब पड़े बोर एवं हैंडपंपों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल सुधारने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को पानी की समस्या से राहत मिल सके। जल जीवन मिशन के अंतर्गत अधूरे नल-जल योजना कार्यों को लेकर अध्यक्ष ने नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अधूरे कार्य छोड़ने या गुणवत्ता में कमी बरतने वाले ठेकेदारों को चिन्हित कर ब्लैकलिस्ट किया जाए और उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। अध्यक्ष ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जल संकट से निपटने हेतु सभी आवश्यक कार्य शीघ्र पूर्ण करने और आमजन को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति, आगामी योजनाओं एवं बजट आवंटन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अंत में अध्यक्ष ने सभी अधिकारियों को जनहित को सर्वोपरि रखते हुए जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

चांपा गैंगरेप कांडः गैंगरेप मामले में न्याय की जीत, चारों दोषियों को 20-20 साल की सजा, निरीक्षक जय प्रकाश गुप्ता की सटीक विवेचना से चार आरोपियों को 20-20 साल की सजा......

चांपा/मूक पत्रिका

एक जघन्य सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस की सशक्त विवेचना और त्वरित कार्रवाई के चलते पीड़िता को न्याय मिला है। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने मामले में चारों आरोपियों को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को 20-20 वर्ष के सश्रम कारावास तथा 50-50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह कार्रवाई तत्कालीन थाना प्रभारी जय प्रकाश गुप्ता की उत्कृष्ट विवेचना का परिणाम मानी जा रही है। प्रकरण में जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय द्वारा प्रारंभ से ही आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। घटना का संक्षिप्त विवरण - दिनांक 18 मई 2025 को चांपा थाना क्षेत्र में चार आरोपियों द्वारा एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। आरोपी पीड़िता के पूर्व परिचित थे और घटना के दिन उसके घर भोजन करने के बाद, पिता के सो जाने पर युवती को जबरन दूसरे कमरे में ले जाकर बारी-बारी से दुष्कर्म कर फरार हो गए। पीड़िता की मां की शिकायत पर थाना चांपा में मामला दर्ज किया गया। पुलिस की त्वरित व वैज्ञानिक विवेचना - विवेचना के दौरान फॉरेंसिक विशेषज्ञों से घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच, आरोपियों के मोबाइल टावर लोकेशन साइबर सेल से प्राप्त कर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किए गए, जिससे आरोपियों की घटना स्थल पर मौजूदगी प्रमाणित हुई। घटना के बाद सभी आरोपी नेपाल भागने की फिराक में थे, जिन्हें थाना चांपा पुलिस की विशेष टीम ने करतला क्षेत्र के घने जंगलों से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। बाद में चारों आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत की गई। सजा से बढ़ा विश्वास - फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वारा साक्ष्यों के आधार पर सभी चार आरोपियों को कठोर सजा सुनाए जाने से पीड़िता, उसके परिजनों तथा आम जनता में पुलिस एवं न्याय प्रणाली के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक जय प्रकाश गुप्ता (तत्कालीन थाना प्रभारी चांपा), सहायक उप निरीक्षक अरुण कुमार सिंह, सहायक उप निरीक्षक मुकेश कुमार पांडेय, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र कुमार टंडन, आरक्षक भूपेंद्र गोस्वामी, माखन साहू, अर्जुन यादव एवं हजारी लाल मेरसा का विशेष योगदान रहा।

भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर 'गांव चलो बस्ती चलो अभियान', लाभार्थियों का हुआ सम्मान

चांपा/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के तारतम्य में चलाए जा रहे ÷गांव चलो - बस्ती चलो अभियान÷ के तहत आज ग्राम तेंदुभांठा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से संपर्क कर उन्हें श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया तथा भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली गई। कार्यक्रम के दौरान ग्राम तेंदुभांठा के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता बाबूलाल तिवारी से आशीर्वाद प्राप्त किया गया।अभियान के अंतर्गत लाभार्थियों से संवाद करते हुए पार्टी पदाधिकारियों ने केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने और संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर ग्राम कार्यक्रम प्रभारी प्रभुदयाल जायसवाल, रामचरण राठौर, घनश्याम साहू, घासीराम साहू एवं गोविंद सिंह की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप नामदेव नगर पालिका अध्यक्ष, चांपा एवं धीरज सोनी अध्यक्ष, ओबीसी मोर्चा भाजपा चांपा द्वारा किया गया।भाजपा नेताओं ने कहा कि ÷गांव चलोङ्कबस्ती चलो अभियान÷ का उद्देश्य अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना और संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक्टोपिक प्रेगनेंसी के जटिल केस में समय पर सर्जरी, सुरक्षित बची गर्भवती

बेमेतरा जिला चिकित्सालय में मेडिकल इतिहास की बड़ी कामयाबी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिला चिकित्सालय में वह कर दिखाया गया, जो कुछ साल पहले तक बड़े शहरों के निजी अस्पतालों तक सीमित माना जाता था। जानलेवा एक्टोपिक प्रेगनेंसी से जूझ रही एक गर्भवती महिला की समय रहते सर्जरी कर चिकित्सकों ने उसकी जिंदगी बचा ली। यह सफलता न सिर्फ डॉक्टरों की दक्षता का प्रमाण है, बल्कि यह भी दिखाती है कि अब बेमेतरा जैसे जिले में भी गंभीर से गंभीर प्रसूति जटिलताओं का इलाज संभव हो रहा है। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन और स्वास्थ्य विभाग सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर,जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री लता बंजारे के सशक्त नेतृत्व में जिला चिकित्सालय बेमेतरा लगातार बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की मिसाल बन रहा है। 8 अप्रैल 2026 में सामने आए इस संवेदनशील मामले में महिला की दो महीने से मासिकधर्म नहीं आई चुकी महिला नसबंदी ऑपरेशन करवा चुकी थी इसलिए इसपर ध्यान नहीं दे पाई अचानक महिला घर में सीढ़ी से गिर गई और रक्तस्राव होने लगा ,महिला निजी अस्पताल में जांच करवाने से पता चला कि उन्हें गर्भ नली में गर्भ ठहर गया था जो कि चोट से नली फटने से पेट में रक्त स्राव जमा हो रहा है,खर्च अधिक होने कारण उक्त महिला नवागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गई जिन्हें गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल जिला चिकित्सालय बेमेतरा मातृ एवं शिशु चिकित्सालय के लिए रिफर किया गया जहां ,वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. विभा बर्मन ने अपनी टीम के साथ जोखिम भरी लेकिन सफल सजरी को अंजाम दिया। और महिला की जान बच गया। क्या है एक्टोपिक प्रेगनेंसी-डॉ. विभा बर्मन ने बताया कि जब निषेचित अंडा गर्भाशय में न ठहरकर फैलोपियन ट्यूब, अंडाशय, पेट या सर्विक्स में विकसित होने लगता है, तो उसे एक्टोपिक प्रेगनेंसी कहा जाता है। लगभग 75 प्रतिशत मामलों में यह समस्या फैलोपियन ट्यूब में पाई जाती है, जो समय पर इलाज न मिलने पर महिला की जान के लिए बड़ा खतरा बन जाती है। ये हैं इसके खतरनाक लक्षण-पेट के एक ओर तेज दर्द, पेल्विक क्षेत्र में खिंचाव, योनि से असामान्य रक्तस्त्राव, चक्कर आना, कंधे में दर्द और पेशाब या मल त्याग में परेशानी ये सभी संकेत गंभीर खतरे की ओर इशारा करते हैं।टीमवर्क से बची जान-इस जटिल सर्जरी में गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. विभा बर्मन, निष्चेतना विशेषज्ञ डॉ. कुंदन लाल स्वर्णकार एवं डॉ अभिताभ साहू, पूरी मेडिकल टीम और सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू,एम सी एच प्रभारी डॉ सत्यप्रकाश कोसरिया एवं अस्पताल प्रमुख सलाहकार डॉ स्वाति यदु की अहम भूमिका रही। इस सफलता ने साफकर दिया है कि अब बेमेतरा की गर्भवती महिलाओं को गंभीर जटिलताओं के लिए बाहर रेफर होने की मजबूरी नहीं रहेगी। जिला चिकित्सालय में उपलब्ध आधुनिक सुविधाएं और अनुभवी डॉक्टर मातृत्व सुरक्षा की दिशा में जिले को नई पहचान दिला रहे।

संपादकीय

अस्पतालों में बढ़ती लापरवाही से मरीजों की जान से खिलवाड़

अस्पतालों में नियम-कायदों को ताक पर रखकर मरीजों की जान जोखिम में डालने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश में अयोध्या जिले के फैजाबाद स्थित एक निजी अस्पताल में अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा प्रसव कराए जाने के बाद महिला और उसके नवजात शिशु की मौत की घटना ने स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जाता है कि डिलीवरी वक्त संबंधित डाक्टर अस्पताल में मौजूद नहीं थीं और फोन पर ही कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दे रही थीं। सवाल है कि कोई भी चिकित्सक किसी मरीज या गर्भवती महिला की जान के साथ ऐसा खिलवाड़ कैसे कर सकता है? क्या किसी चिकित्सक को प्रसव के दौरान होने वाली जटिलता और जोखिम का अंदाजा नहीं होता?यह अत्यंत गंभीर लापरवाही है कि अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सक की वैकल्पिक व्यवस्था के बिना ही फोन पर दिशा-निर्देश लेकर एक महिला का प्रसव कराया गया। विचित्र यह भी है कि जब संबंधित अस्पताल में कोई विशेषज्ञ डाक्टर मौजूद नहीं था, तो गर्भवती महिला को नियमानुसार किसी दूसरे अस्पताल में क्यों नहीं भेजा गया?गौरतलब है कि अस्पतालों में इस तरह नियम-कायदों को ताक पर रखकर मरीजों की जान जोखिम में डालने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। कई बार तो मरीज की जान तक चली जाती है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर महज खानापूर्ति ही की जाती है।इस मामले में भी शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित निजी अस्पताल को सील कर दिया है और मृतका के परिजनों को जांच का आश्वासन दिया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जांच में लापरवाही साबित होने पर पुलिस प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।सरकारी स्तर पर दावा किया जाता है कि देश में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में काफी प्रगति हुई है, लेकिन क्या फोन पर अप्रशिक्षित कर्मियों को दिशा-निर्देश देकर किसी महिला का प्रसव कराने के जोखिम को तरक्की कहा जा सकता है!

असली प्रगति तो तभी होगी, जब आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ चिकित्सकों और उनके सहकर्मियों को अपने कर्तव्य के प्रति जिम्मेदार, संवेदनशील और जवाबदेह बनाया जाएगा। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि फैजाबाद के मामले में निष्पक्ष एवं गहन जांच की जाएगी और लापरवाही बरतने के दोषियों को कानून के कठघरे में लाया जाएगा।उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले के एक निजी अस्पताल में अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा प्रसव कराए जाने के बाद कथित चिकित्सीय लापरवाही के कारण एक महिला और उसके नवजात शिशु की मौत हो गई। अधिकारियों एवं परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। महिला के परिवार के सदस्यों ने गुरुवार को कहा कि प्रसव के दौरान डॉक्टर अस्पताल में नहीं थी और उसने फोन पर ही सारे दिशानिर्देश कर्मचारियों को दिए।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि षड्यंत्रकारी यूजीसी बिल से सवर्णों का विश्वास भाजपा से डिगा है और ममता बनर्जी को ब्राह्मण होने का पहली बार लाभ पश्चिम बंगाल में मिलने वाला है। वहीं, उनके जुझारू तेवर के मद्देनजर पूरे देश के सवर्ण उनपर फिदा होने को तैयार बैठे हैं। यही वजह है कि बंगाल में 250 सीटों को पार करने का उनके समर्थकों का दावा बेबुनियाद नहीं है। कांग्रेस के पूरे जनाधार को आज बंगाल में वही सहेजे हुए हैं। शायद इसलिए ही कीर्ति आज़ाद का मानना है कि टीएमसी की सीटें लगातार बढ़ रही हैं–2011, 2016, 2021 में वृद्धि हुई और लोकसभा 2024 में भी 6 अतिरिक्त सीटें मिलीं।

क्या पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की जमीनी रणनीति से ममता बनर्जी पुनः मारेंगी बाजी?

(कमलेश पांडे)

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि षड्यंत्रकारी यूजीसी बिल से सवर्णों का विश्वास भाजपा से डिगा है और ममता बनर्जी को ब्राह्मण होने का पहली बार लाभ पश्चिम बंगाल में मिलने वाला है। वहीं, उनके जुझारू तेवर के मद्देनजर पूरे देश के सवर्ण उनपर फिदा होने को तैयार बैठे हैं।

भागलपुर मूल के दिल्लीवासी नेता और तृणमूल कांग्रेस के तेजतर्रार सांसद कीर्ति झा आजाद ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के संदर्भ में एक बड़ा संकेत दिया और शांडिल्य गोत्रीय ब्राह्मण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तारीफ करते हुए भविष्यवाणी की कि राज्य विधानसभा चुनाव में टीएमसी 250 सीटें जीतेगी और 2029 में ममता बनर्जी भारत की प्रधानमंत्री बनेंगी। यदि ऐसी राजनीतिक परिस्थिति बनती है तो पूर्वी भारत की सियासत के लिए यह शुभ घड़ी होगी।

ऐसा इसलिए कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु पारस्परिक दांवपेंचों की वजह से देश का प्रधानमंत्री नहीं बन पाए थे। जहां सूझबूझ वाले दूरदर्शी नेता ज्योति बसु ने कांटे के ताज पीएम पद की पेशकश को विनम्रतापूर्वक ठुकरा दिया था, वहीं लालू प्रसाद के सपनों का शिकार उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री द्वय देवगौड़ा और गुजराल जैसे जनाधार विहीन नेताओं को आगे करके करवा दिया।

यूँ तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उड़ीसा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक भी सियासी बिल्ली के भाग्य से पीएम पद रूपीं छींके टूटने का इंतजार करते रह गए, लेकिन नीयत और नीति में खोंट की वजह से गच्चा खाते रहे, जबकि उम्मीद अभी भी बाकी है! अब तो कई राजनेता मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखते रहने के आदी बन चुके हैं, जबकि किस्मत ने साथ दिया तो राजद नेता और पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और लोजपा रामविलास नेता व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान भी आगे इस रेस के घोड़े बन सकते हैं। सबके दिल्ली के साथ साथ कोलकाता, रांची, भुवनेश्वर से समझदारी भरे रिश्ते हैं।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि षड्यंत्रकारी यूजीसी बिल से सवर्णों का विश्वास भाजपा से डिगा है और ममता बनर्जी को ब्राह्मण होने का पहली बार लाभ पश्चिम बंगाल में मिलने वाला है। वहीं, उनके जुझारू तेवर के मद्देनजर पूरे देश के सवर्ण उनपर फिदा होने को तैयार बैठे हैं। यही वजह है कि बंगाल में 250 सीटों को पार करने का उनके समर्थकों का दावा बेबुनियाद नहीं है। कांग्रेस के पूरे जनाधार को आज बंगाल में वही सहेजे हुए हैं। शायद इसलिए ही कीर्ति आजाद का मानना है कि टीएमसी की सीटें लगातार बढ़ रही हैं–2011, 2016, 2021 में वृद्धि हुई और लोकसभा 2024 में भी 6 अतिरिक्त सीटें मिलीं। कोई एंटी-इनकंबेंसी नहीं है, बंगाल में विकास, अस्मिता और अलग संस्कृति की लड़ाई है।

उनके शब्दों में ममता को प्रधानमंत्री बनाने का कारण स्पष्ट है। आज उनके कद का कोई क्षेत्रीय नेता नहीं है। उन्होंने ममता को सबसे ताकतवर नेता बताया जो लगातार बीजेपी की खतरनाक राजनीतिक चालों से टक्कर ले रही हैं, और आने वाले समय में और मजबूत होंगी। राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि ममता से

बेहतर कोई चेहरा नहीं, खासकर इंडिया गठबंधन में उनकी भूमिका मजबूत होगी। चूंकि ये बयान 2026 बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान आए, जहां उन्होंने बीजेपी, मोदी-शाह पर हमले किए और टीएमसी की योजनाओं (जैसे कन्याश्री, मनरेगा फंडिंग) की सराहना की।

आपको पता होना चाहिए कि ममता बनर्जी का बंगाल मॉडल महिलाओं, युवाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा और गरीबों के कल्याण पर केंद्रित है, जो टीएमसी सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं से जाना जाता है। ये योजनाएं जीवन के विभिन्न चरणों को कवर करती हैं। जहां तक महिलाओं की योजनाएं की बात है तो लक्ष्मी भंडार योजना के तहत सामान्य महिलाओं को 1500 रुपये मासिक और एससी/एसटी महिलाओं को 1700 रुपये मिलते हैं। जबकि रूपश्री में विवाह के लिए 25,000 रुपये सहायता दी जाती है, जिससे 22 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ हुआ। कन्याश्री लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देती है।

वहीं, यदि युवाओं और बेरोजगारों के लिए बात की जाए तो बांग्ला युवा साथी (युवा साथी) योजना में 21-40 वर्ष के बेरोजगार युवाओं को 1500 रुपये मासिक भत्ता मिलता है। जबकि श्रमश्री प्रवासी मजदूरों को नई नौकरी तक 5000 रुपये सहायता देती है। वहीं, स्वास्थ्य और अन्य कल्याण कारी योजनाओं में स्वास्थ्य साथी स्वास्थ्य बीमा योजना चिकित्सा सुविधा प्रदान करती है। दुआरे चिकित्सा द्वार-द्वार स्वास्थ्य शिविर चलाती है। समावयती अंतिम संस्कार सहायता देती है, हर घर में पाइप पानी और पक्का घर सुनिश्चित करने वाली योजनाएं भी शामिल हैं।

चूंकि ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल में जमीन से जुड़ी नेता माना जाता है क्योंकि उन्होंने सिंगूर और नंदीग्राम जैसे भूमि अधिग्रहण आंदोलनों के जरिए किसानों और आम जनता के हितों की रक्षा की, जो उनकी छवि को मजबूत बनाता है। हालांकि, सवर्णों (जैसे ब्राह्मण) का उन्हें पूरा सपोर्ट मिलना एक अतिशयोक्ति है, क्योंकि उनकी राजनीति मुख्य रूप से मुस्लिम (लगभग 30 प्रतिशत) और दलित/ओबीसी वोटबैंक पर निर्भर है।

लेकिन यूजीसी बिल विवाद से सवर्णों में उनकी पैठ लगातार बढ़ रही है।पूरे देश के सवर्ण कार्यकर्ता गोपनीय तौर पर बंगाल पहुंच रहे हैं और ममता की मदद करके सवर्ण विरोधियों को सही सबक सिखाना चाहते हैं, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की ओबीसी राजनीति हतोत्साहित हो सके। सबकुछ भीतर ही भीतर किया जा रहा है, ताकि ममता बनर्जी का पुराना वोट बैंक प्रभावित न हो।

ममता बनर्जी जमीन से जुड़ाव रखने वाली नेता हैं। ममता बनर्जी ने 2006-07 के सिंगूर (टाटा नैनो प्रोजेक्ट) और नंदीग्राम आंदोलनों में किसानों की जमीन बचाने के लिए आंदोलन किया, जिससे वामपंथी सरकार गिरी। यह उनके आम आदमी की नेता वाली इमेज का आधार बना, जहां वे गरीबों, किसानों और दबे-कुचले वर्गों की आवाज बनीं।

टीएमसी की कल्याणकारी योजनाएं जैसे लक्ष्मीर भांडार ने ग्रामीण और एससी/एसटी वोटरों को बांधा। वहीं, सवर्ण समर्थन की हकीकत यह है कि सवर्ण (ब्राह्मण, बंगाली बाबू) टीएमसी को सीमित समर्थन देते हैं, लेकिन पूरा नहीं–क्योंकि ममता पर मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोप लगते हैं (जैसे वक्फ कानून, एसआईआर विरोध)। फिर भी उन्होंने ब्राह्मण सम्मेलन आयोजित किए, पुजारियों को पेंशन/आवास दिए और खुद को ब्राह्मण की बेटी कहा ताकि सॉफ्ट हिंदुत्व दिखाएं और बीजेपी का हिंदू वोट काटें।

जानकार बताते हैं कि यूजीसी बिल विवाद के बाद उन्होंने सवर्णों को रिझाने के लिए अपने खास लोगों को लगा दिया है। फिर भी, अपर मिडिल क्लास/सवर्णों में कुछ कुछ असंतोष है जो शासन की खराबी पर है, और इसलिए भी 2026 चुनावों में जातिगत ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। सवाल मुखर है कि क्या पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की जमीनी रणनीति से ममता बनर्जी पुनः मारेंगी बाजी? (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक हैं)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बंगाल विधानसभा चुनावों से पूर्व फिर खेल हुआ प्रारंभ, कब तक बचाव कर पाएंगी ममता दीदी?

(मृत्युंजय दीक्षित)

टीवी चैनलों पर संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमने वाले आ गए और कहा जाने लगा कि चुनाव से दो-तीन महीने पहले ही यह छापेमारी क्यों शुरू हो जाती है? जबकि वास्तविकता यह है कि यह जांच काफी समय से चल रही है इस घोटाले की जांच रुकवाने के लिए तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी ने एक याचिका दायर की थी जो खारिज हो चुकी है।

वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव घोषित हो चुके हैं। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है वैसे वैसे राज्य की राजनीति का पारा चढ़ रहा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए अपने प्रचार को आक्रामक बना चुकी हैं। उनके लिए इस बार राह उतनी आसान नहीं है। भारतीय जनता पार्टी भी इस बार हर हाल में बंगाल में अपनी सरकार बनाने को संकल्पबद्ध है। बिहार विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सभा में कहा था कि गंगा नदी बिहार से ही बंगाल में जाती है और उसी दिन से बंगाल में राजनीतिक तपिश का अनुभव होने लगा था।

बंगाल में ममता दीदी के चौथी बार मुख्यमंत्री बनने की राह बहुत आसान नहीं है क्योंकि कांग्रेस और वामपंथी दल भी पूरी ताकत से ममता दीदी को हराने के लिए काम कर रहे हैं। उनकी अपनी ही पार्टी के निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम पर मस्जिद की नींव रखने और फिर नयी पार्टी बनाकर विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर राजनैतिक ध्रुवीकरण की समस्या पैदा कर दी है। मुर्शिदाबाद में हुमायूं कबीर के कदमों का ममता दीदी की सरकार ने कोई प्रतिवाद नहीं किया कि कहीं उनके मुस्लिम मतदाता नाराज न हो जाएं। चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची के शुद्धीकरण के गहन अभियान को ममता बनर्जी ने जिस तरह बाधित करने का प्रयास किया उससे उनकी अपनी ही छवि खराब हुई है। मतदाता शुद्धीकरण अभियान के दौरान ममता बनर्जी व उनकी पार्टी ने पूरा दम लगा दिया कि किसी प्रकार इस कार्य को बाधित किया जाए या रोक दिया जाए। ममता की ओर से एसआईआर को लेकर भ्रम पैदा करने के पूरे प्रयास किए गए जिसमें उनकी ओर से पहले कहा गया कि वह एसआईआर फार्म नहीं भरेंगी और फिर उन्होंने भर भी दिया। यही कारण है कि जब ईडी का छापा पड़ा और ममता दीदी की पुलिस ने ईडी के कब्जे से ग्रीन फाइल अपने कब्जे में ली तभी से यह आरोप लगाया जाने लगा कि आखिर ममता दीदी की दाल में कुछ तो काला है। आखिर क्यों उन्हें ग्रीन फाइलों से इतना लगाव है? पहले ममता जी धमकी देते हुए कह रही थीं कि अगर वह बीजेपी के कार्यालय में घुस गयीं तो क्या हो जाएगा और अब कह रही हैं कि जब बीजेपी को पता चला कि अबकी बार बीजेपी को पहले की तुलना में भी कम सीटें आ रही हैं तब उन्होंने हमारी रणनीति चुराने का प्रयास किया। जबकि प्रवर्तन निदेशालय ने अब सरकारी काम में बाधा डालने तथा कोयला घोटाले में ममता दीदी व तृणमूल सरकार को आरोपी बनाने का फैसला किया है।

ममता दीदी के सामने अब वैसी गंभीर चुनौती है जैसी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष आ गई थी। अगर ममता दीदी को कोर्ट से राहत नहीं मिलती या वे ग्रीन फाइल्स को लेकर जांच एजेंसियों के साथ टकराव का रास्ता अपनाती हैं तो केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने पर मजबूर हो सकती है। बंगाल में लंबे समय से कई अवसरों पर राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग भाजपा व अन्य संगठनों की ओर से लगातार की जा रही है किंतु अभी तक केंद्र की राजग सरकार ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है जबकि राज्य में चुनावों के समय तृणमूल कांग्रेस के संगठित अपराधियों द्वारा चुनावी हिंसा का दौर प्रारंभ हो जाता है जिसके शिकार भाजपा व हिंदू संगठनो के कार्यकर्ता होते हैं। अभी आई -पैक प्रकरण के दौरान मची हलचल के बीच भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की कार पर हमला बोला गया और वह आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए।

ऐसा नहीं है कि ममता दीदी का जांच एजेंसियों के साथ टकराव पहली बार हुआ हो इससे पहले 27 अक्तूबर 2023 को जब राशन घोटाले में तत्कालीन मंत्री ज्योतिप्रिया मल्लिक को गिरफ्तार किया तब ममता उनके बचाव में उतरीं थीं। 11 अगस्त 2022 सीबीआई ने पशु तस्करी में तृणमूल नेता अनुव्रत मंडल को गिरफ्तार किया वह भी ममता दीदी के करीबी थे। 23 जुलाई 2022 को स्कूल भर्ती घोटाले में ईडी ने शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया। 6 सितबर 2021 को नारद स्टिंग केस में सीबीआई ने तृणमूल नेताओं को गिरफ्तार किया तब ममता दीदी ने सीबीआई के कार्यालय के बाहर 6 घंटे धरना दिया। 6 सितंबर 2021 को ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी से कोयला घोटाले में 9 घंटे तक पूछताछ हो चुकी हैं। बंगाल के राजनीतिक इतिहास में सबसे बड़ा शरदा चिटफंड घोटाला हुआ है जिसकी जांच के दायरे में ममता दीदी सीधे फंसी हुई हैं। आगामी सप्ताह में बंगाल की राजनीति और चटखदार होने वाली है क्योंकि अब दोनों पक्षों नें एक दूसरे पर वार-पलटवार तेज कर दिए हैं। अदालतों का निर्णय बंगाल विधानसभा चुनावों की दिशा और दशा तय करने वाले हो सकते हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तीन राज्य, एक मुकाबला- अकेली भाजपा, एकजुट विपक्ष - विचारधाराओं का निर्णायक टकराव

(पी. चिदंबरम)

भाजपा की नीतियां तथा उसकी सरकार के कानून हिंदू वर्चस्व (हिंदुत्व), वैदिक ग्रंथों और प्रथाओं में आस्था, आर्य सभ्यता या संस्कृति, केंद्रीकरण, कार्यपालिका की प्रधानता, एक साझा भाषा (हिंदी), शाकाहार, एक राष्ट्र-एक सरकार और कोरियाई चैबोल जैसे व्यापारिक घरानों से मैत्रीपूर्ण संबंधों के विचारों पर आधारित हैं।

मुझे नहीं पता कि कौन-से ग्रह एक साथ आएंगे या कौन-सा ग्रह वक्री होगा, लेकिन भारत के राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए मैं कह सकता हूं कि 'हम रोचक दौर से गुजर रहे हैं'।

विपरीत विचारधारा – असम, केरल, पुदुचेरी (केंद्रशासित प्रदेश), तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 9, 23 और 30 अप्रैल को होंगे। हाल के वर्षों में पहली बार भाजपा केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में स्थापित वाम-उदारवादी राजनीतिक दलों को चुनौती दे रही है। वैचारिक दृष्टि से केरल में यूडीएफ यानी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट और एलडीएफ यानी लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट, दोनों ही वाम केंद्रित हैं। तमिलनाडु में द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन (जिसमें कांग्रेस भी शामिल है) और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस स्पष्ट रूप से वाम-उदारवादी दल हैं। ये सभी संविधान, संघवाद, संसद या विधानमंडल की सर्वोच्चता, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय, समान विकास, कल्याणकारी उपाय, मीडिया की स्वतंत्रता और उदार अर्थव्यवस्था के समर्थक हैं। एलडीएफ, द्रमुक और तृणमूल कांग्रेस अपने-अपने राज्य में सरकार चला रहे हैं। चुनौती देने वाली पार्टी भाजपा है, जिसने वैचारिक रूप से खुद को दक्षिणपंथी खेमे में स्थापित किया है। मैं दक्षिणपंथी विचारधारा में केवल आरएसएस को इससे आगे मान सकता हूं, लेकिन उसका दावा है कि वह एक राजनीतिक दल नहीं है।

हालांकि, आरएसएस अनिच्छा से स्वीकार करता है कि उसके प्रमुख नेता भाजपा संगठन में महत्त्वपूर्ण पदों पर रहे हैं और अभी भी हैं, इसके अलावा भाजपा सरकारों के कई मंत्री प्रचारक रहे हैं और स्वयंसेवक बने हुए हैं। आम नागरिक आरएसएस को जनक और भाजपा को उसकी संतान के रूप में देखता है। भाजपा की नीतियां तथा उसकी सरकार के कानून हिंदू वर्चस्व (हिंदुत्व), वैदिक ग्रंथों और प्रथाओं में आस्था, आर्य सभ्यता या संस्कृति, केंद्रीकरण, कार्यपालिका की प्रधानता, एक साझा भाषा (हिंदी), शाकाहार, एक राष्ट्र-एक सरकार और कोरियाई चैबोल जैसे व्यापारिक घरानों से मैत्रीपूर्ण संबंधों के विचारों पर आधारित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने वर्ष 2014 तक चले आ रहे आम सहमति के दौर से जानबूझकर नाता तोड़ लिया है। इन तीनों राज्यों में चुनावी मुकाबला वाम-उदारवादी और दक्षिणपंथी राजनीतिक दलों के बीच होगा।

केरल – यहां कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ और माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ का पिछले पचास वर्षों से दबदबा रहा है। छोटे दल इनमें से किसी एक गुट की ओर आकर्षित होते रहे हैं। केरल के मतदाता कभी यूडीएफ तो कभी एलडीएफ को समर्थन देते रहे, लेकिन वर्ष 2021 में उन्होंने इस परंपरा को तोड़ते हुए एलडीएफ को फिर से चुना, जिसने वर्ष 2016 में भी जीत हासिल की थी। दोनों मोर्चे मजबूत हैं और उन्होंने अपनी चुनावी रणनीतियों को और भी प्रभावी बना लिया है। आम राय यह है कि एलडीएफ ने उम्रदराज नेता पिनरई विजयन के नेतृत्व में दो कार्यकाल पूरे कर लिए हैं और अब बदलाव का समय आ गया है। वर्ष 2018 की बाढ़ और 2024 में वायनाड भूस्खलन की घटना के प्रति एलडीएफ सरकार की अकुशल प्रतिक्रिया ने उसकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस के पास कई सक्षम और अपेक्षाकृत युवा नेता हैं तथा उसे यूडीएफ की बहुमत से आसान जीत का पूरा भरोसा है। भाजपा केरल की जनता की नब्ज को समझ नहीं पा रही है। कयास इस बात पर लगाए जा रहे हैं कि भाजपा यहां कितनी सीटें जीत पाएगी, माना जा रहा है कि यह आंकड़ा एक अंक तक ही सीमित रह जाएगा।

तमिलनाड वर्ष 2021 और 2024 का द्रमुक नेतृत्व वाला गठबंधन बरकरार है और एमके स्टालिन ने छोटे दलों को द्रमुक के चुनाव चिह्न पर मैदान में उतरने के लिए राजी कर लिया है। इस रणनीति से वोटों का नुकसान नहीं होगा। वर्ष 2021 (विधानसभा) और 2024 (लोकसभा) के चुनावों के बाद से अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के वोटों में गिरावट आई है, लेकिन उसे अन्नाद्रमुक से अलग हुए गुट एएमएमके का समर्थन प्राप्त हो गया है। हालांकि, एक महीने पहले ही एएमएमके ने ई पलानीस्वामी को अन्नाद्रमुक के नेता या गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में कभी स्वीकार न करने की कसम खाई थी!अन्नाद्रमुक के लिए भाजपा क्या लेकर आती है? निश्चित रूप से केंद्र सरकार की शक्ति, संसाधन, चुनाव आयोग का परोक्ष समर्थन और अपने राष्ट्रीय नेताओं की ध्रुवीकरण वाली बयानबाजी। ये कारक वर्ष 2021 और 2024 में काम नहीं आए थे और शायद 2026 में भी काम न करें। भाजपा 234 में से 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और वह कितनी सीटें जीतेगी, इस पर अटकलें निचले एक अंक से लेकर दस तक के बीच हैं।जोसेफ विजय द्वारा स्थापित टीवीके तथा एनटीके की उपस्थिति और वोटों को विभाजित करने की उनकी क्षमता के कारण, प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव कांटे की टक्कर का होगा, लेकिन कुल मिलाकर परिणाम एक ही गठबंधन के पक्ष में रहेगा। चुनाव पर्यवेक्षकों और अनुभवी पत्रकारों का मानना है कि द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन सत्ता में वापसी करेगा।

पश्चिम बंगाल – यहां सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और चुनौती देने वाली भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। पूर्व सत्ताधारी दल- कांग्रेस और माकपा भाजपा पर निशाना साधेंगे, लेकिन इससे अंतिम परिणाम पर कोई खास असर पड़ने की संभावना नहीं है। यह लड़ाई चिर-योद्धा ममता बनर्जी तथा लगातार चुनौती देने वाले नरेंद्र मोदी और अमित शाह के बीच है। यह मुकाबला सिर्फ राजनीतिक नहीं रहा, बल्कि आक्रामक और तीखा रूप ले चुका है। इसने पश्चिम बंगाल के लोगों में अपनी संस्कृति, साहित्य, भाषा, लोकाचार, सांप्रदायिक सद्भाव, देशभक्ति तथा स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, बंकिम चंद्र चटर्जी और अमर्त्य सेन जैसे आदर्शों के प्रति श्रद्धा की रक्षा करने की भावना को जागृत किया है। यदि बंगाली गौरव और स्वाभिमान प्रबल होता है, तो ममता बनर्जी और उनकी पार्टी लगातार चौथी बार विजयी होंगी।

ये तीनों राज्य हिंदी भाषी क्षेत्रों से बाहर हैं। यहां प्रत्येक पार्टी का प्रदर्शन उसके भविष्य पर गहरा प्रभाव डालेगा। खासकर भाजपा के लिए यह ज्यादा महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इन क्षेत्रों के राजनीतिक और सामाजिक लोकाचार में उसे बाहरी पार्टी माना जाता है।पश्चिम बंगाल के चुनावी समंदर में इस बार मछली सिर्फ थाली तक सीमित नहीं रही, बल्कि सियासत के केंद्र में आकर तैरने लगी है। मछली अप्रत्याशित लेकिन असरदार राजनीतिक प्रतीक बन गई है। 'रोडशो' में लहराई जा रही विशाल कतला से लेकर हिलसा, पाबदा और चिंगड़ी मछली अब सियासी मंचों पर धमक दिखा रही हैं। दरअसल, भोजन की पसंद अब पहचान और संस्कृति की लड़ाई में बदल गई है, जहां यह तय करने की होड़ मची है कि असल बंगाली का प्रतिनिधित्व आखिर कौन करता है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

संक्षिप्त समाचार

उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों के इम्पैनलमेंट के लिए 'रूचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित

बिलासपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के अंतर्गत राज्य में संचालित उत्कृष्ट आवासीय शिक्षण संस्थानों के इम्पैनलमेंट हेतु ''रूचि की अभिव्यक्ति'' 23 अप्रैल 2026, शाम 5 बजे तक आमंत्रित की गई है। इच्छुक संस्थाओं को निर्धारित प्रपत्र में आवेदन सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय बिलासपुर में जमा करना होगा। योजना के दिशा-निर्देश एवं मापदंड विभाग की आधिकारिक वेबसाइट 222.ह्लह्वद्गड्डद्य.ष्द्द.द्दश1.द्बठ्ठ पर उपलब्ध हैं। सहायक आयुक्त संजय चंदेल ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, उन्हें बेहतर करियर के अवसर उपलब्ध कराना तथा प्रतिस्पर्धी वातावरण में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक राज्य के उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में नि:शुल्क शिक्षा की सुविधा दी जाएगी। साथ ही चयनित संस्थानों को निर्धारित मानदेय के अनुसार शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की जाएगी।

डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन 13 अप्रैल तक

बिलासपुर। जिले में संचालित 4 डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल देवरीखुर्द, गोढ़ी, वेदपरसदा, गोबरीपाट में केजी 1 में शिक्षा के अधिकार के तहत एवं शासन कोटा की रिक्त सीट पर प्रवेश दिया जा रहा है। आरटीई के तहत प्रवेश के लिए संबंधित नोडल अधिकारी के समक्ष एवं शासन कोटा अंतर्गत प्रवेश हेतु आवेदन पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग बिलासपुर में स्थित कार्यालय समग्र शिक्षा, कक्ष क्रमांक 21 में 13 अप्रैल 2026 शाम 5 बजे तक जमा किये जा सकते है। शिक्षा के अधिकार के तहत गरीबी रेखा तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्रा पात्र होंगे एवं शासन कोटा में गरीबी रेखा, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, नि:शक्तजन, निर्धन वर्ग, परित्यक्ता, मातृ-पितृहीन के छात्र-छात्रा आवेदन के लिए पात्र हैं।

तार मिस्त्री परीक्षा के लिए आवेदन 30 अप्रैल तक

बिलासपुर। संभागीय अनुज्ञापन समिति (विद्युत) बिलासपुर द्वारा तारमिस्त्री परीक्षा जुलाई माह में आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए बिलासपुर, मुंगेली, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, कोरबा, जांजगीर-चांपा एवं सक्ती जिले के इच्छुक आवेदनकर्ता नि:शुल्क फार्म प्राप्त करने एवं परीक्षा से संबंधित जानकारी के लिए यू.डी.एम. हॉस्पिटल बिल्डिंग, होमगार्ड कैम्पस के पास स्थित कार्यालय कार्यपालन अभियंता (विद्युत सुरक्षा) एवं संभागीय विद्युत निरीक्षक के कार्यालय से प्राप्त कर सकते है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 तक है।

रेलवे ट्रैक पार करना, बैठना, घूमना व सेल्फी लेना है जानलेवा, कृपया अपनी जान जोखिम में न डालें

बिलासपुर। मंडल रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रेलवे ट्रैक पर होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना एवं अनावश्यक जोखिम से बचाना है। रेलवे द्वारा आम जनता से अपील की जा रही है कि वे रेलवे पटरी को पार करने, उस पर बैठने, घूमने अथवा सेल्फी लेने जैसी असुरक्षित गतिविधियों से दूर रहें। यह न केवल अत्यंत खतरनाक है, बल्कि कानूनन दंडनीय अपराध भी है। ट्रेनों की तेज गति और उनकी अचानक उपस्थिति के कारण इस प्रकार की लापरवाही गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे स्टेशनों पर फुट ओवरब्रिज, लिफ्ट और एस्केलेटर जैसी सुरक्षित व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही आम लोगों के सुरक्षित आवागमन हेतु ओवरब्रिज/अंडरब्रिज की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है 7 कृपया ट्रैक पार करने के लिए केवल इन निर्धारित सुरक्षित मार्गों का ही उपयोग करें। रेलवे द्वारा इस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं साथ ही सभी स्टेशनों में अनाउंसमेंट के जरिए रेलवे ट्रैक पार न करने के लिए सुरक्षा संदेश, सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर जागरूकता संदेशों का भी प्रसार नियमित रूप से किया जा रहा है 7 रेलवे सुरक्षा बल (ञ्जक्कस्न) एवं संरक्षा विभाग के कर्मचारियों द्वारा सतर्कता अभियान भी चलाया जा रहा है हाल के दिनों में कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में लोगों द्वारा लापरवाहीपूर्वक ट्रैक पार करने या पटरी पर बैठने के कारण जानमाल की हानि हुई है। इन घटनाओं से सीख लेते हुए यह आवश्यक है कि हम सभी मिलकर सुरक्षा नियमों का पालन करें।

साप्ताहिक टीएल बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल के सख्त निर्देश

कलेक्टर का आदेश निजी स्कूलों में मान्यता प्रदर्शित करना अनिवार्य

- हर शनिवार लगेगा तहसील स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर
- 20-30 साल की जरूरतों पर बनेगी कार्ययोजना

बिलासपुर। बिलासपुर में आयोजित साप्ताहिक टीएल बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, दीर्घकालिक योजना और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। निजी स्कूलों में मान्यता प्रमाण पत्र प्रदर्शित करने, साप्ताहिक जनसमस्या निवारण शिविर शुरू करने और जल संरक्षण सहित विभिन्न विकास कार्यों को गति देने पर विशेष जोर दिया गया।जिला कार्यालय के मंथन सभा कक्ष में आयोजित साप्ताहिक टीएल बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी निजी स्कूलों को अपने परिसर में मान्यता संबंधी प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी स्पष्ट रूप से लिखने को कहा गया कि स्कूल सीबीएसई या छत्तीसगढ़ बोर्ड से मान्यता प्राप्त है, ताकि विद्यार्थियों और अभिभावकों को सही जानकारी मिल सके और किसी प्रकार की धोखाधड़ी की आशंका न रहे। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई कर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए हर सप्ताह शनिवार को तहसील स्तर पर जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में वे स्वयं उपस्थित रहेंगे। यह अभियान इसी माह से प्रारंभ होकर लगभग दो माह तक संचालित किया जाएगा। अधिकारियों को इसकी समुचित तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में कलेक्टर ने इस वर्ष के बजट में प्रावधानित कार्यों के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव तैयार करते समय स्थल का निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए और केवल अल्पकालिक नहीं, बल्कि आगामी 20 से 30 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जाएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि किसी भी सरकारी योजना के तहत भवन या आवास निर्माण से पहले वहां तक पहुंचने के लिए सड़क सुविधा सुनिश्चित की जाए, अन्यथा निर्माण की उपयोगिता प्रभावित होती है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर ने सरकारी निर्माण एजेंसियों को सूखे तालाबों से मिट्टी एवं मुरूम उठाने के निर्देश दिए, ताकि तालाबों की गहराई बढ़े और जल संचयन में मदद मिले। साथ ही उन्होंने अनियमित रूप से अन्य स्थानों से मिट्टी उत्खनन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में सोखता गड्ढे बनाकर जल रिचार्ज करने, कच्चे नाला बांध बनाकर वर्षा जल को रोकने के उपाय अपनाने पर भी बल दिया गया। इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना और जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाकर निर्धारित लक्ष्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जनसहभागिता से शहरभर में सीसीटीवी नेटवर्क का होगा विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था होगी हाईटेक

- कलेक्टर-एसएसपी की अध्यक्षता में त्रिनेत्र सेवा समिति की बैठक में लिए गए अहम निर्णय

बिलासपुर। शहर में अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से त्रिनेत्र सेवा समिति की अहम बैठक इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमाण्ड सेंटर, तारबाहर में आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि शहर में अधिक से अधिक स्थानों पर जनसहभागिता के माध्यम से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे अपराधों पर त्वरित नियंत्रण और अपराधियों की शीघ्र पहचान सुनिश्चित की जा सके। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा, सुगम यातायात व्यवस्था और नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई को भी प्राथमिकता दी जाएगी। समिति के संरचनात्मक विस्तार के तहत सांसद एवं विधायकों के साथ आयुक्त बिलासपुर संभाग और पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज को पदेन मुख्य संरक्षक बनाया जाएगा। वहीं कलेक्टर, एसएसपी, नगर निगम आयुक्त, जिला पंचायत सीईओ, रेलवे, एसईसीएल, एनटीपीसी, अपोलो अस्पताल और रेडक्रॉस के वरिष्ठ अधिकारियों को पदेन संरक्षक बनाए जाने का निर्णय लिया गया। तकनीकी समिति में साइबर सेल के अधिकारियों के साथ स्मार्ट सिटी के प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। प्रबंध कार्यकारिणी में श्री रामावतार अग्रवाल को अध्यक्ष, श्री नवदीप अरोरा को कार्यकारी अध्यक्ष, श्री सतीश शाह को सचिव, श्री मनीष सखूजा को कोषाध्यक्ष तथा श्री ललित अग्रवाल को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

- स्वास्थ्य के प्रति सजगता और संतुलित जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चिकित्सा विभाग द्वारा आज विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विभिन्न चिकित्सा इकाइयों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना के उपलक्ष्य में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। आज के बदलते परिवेश में असंतुलित खानपान, बढ़ते प्रदूषण, व्यस्त दिनचर्या एवं मानसिक तनाव के कारण हृदय रोग, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में यह दिवस रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का महत्वपूर्ण संदेश देता है। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के केन्द्रीय चिकित्सालय बिलासपुर, मण्डल चिकित्सालय रायपुर, उपमंडल चिकित्सालय चरोदा (भिलाई) एवं पॉलीक्लिनिक मोतीबाग (नागपुर) सहित विभिन्न चिकित्सा इकाइयों में स्वास्थ्य के लिए एकजुट हों, विज्ञान के साथ खड़े रहें थीम पर जागरूकता अभियान, स्वच्छता अभियान एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व पर प्रकाश डाला गया, जिसमें फल, हरी सब्जियाँ, अनाज एवं प्रोटीन युक्त भोजन को दैनिक जीवन में शामिल करने की सलाह दी गई। साथ ही, प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट व्यायाम या शारीरिक गतिविधि को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

तिरुपति-रक्सौल-तिरुपति के मध्य सात फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा

बिलासपुर। आगामी समर मौसम के दौरान यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा अनेक समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करने की योजना बनाई गई है, जिसमे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से भी समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा इसी कड़ी में रेलवे द्वारा समर के अवसर पर तिरुपति-रक्सौल मार्ग की गाड़ियों में समर मौसम होने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए तिरुपति एवं रक्सौल के मध्य सात फेरे के लिये समर स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है । यह स्पेशल गाड़ी तिरुपति से गाड़ी संख्या 07051 नंम्बर के साथ प्रत्येक सोमवार को दिनांक 13, 20 और 27 अप्रैल, 04, 11, 18 और 25 मई, 2026 को रक्सौल के लिए रवाना होगी तथा रक्सौल से गाड़ी संख्या 07052 नम्बर के साथ प्रत्येक गुरुवार को दिनांक 16, 23 और 30 अप्रैल, 07, 14, 21 और 28 मई, 2026 को तिरुपति के लिए रवाना होगी । इस समर स्पेशल ट्रेन में 03 एसी टू , 05 एसी थ्री, 10 स्लीपर, 06 सामान्य कुल 24 कोच रहेगी । इस गाड़ी का दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में ठहराव की समय सारणी इस प्रकार है :- गाड़ी संख्या 07051 नंम्बर तिरुपति से 08.15 बजे रवाना होकर दूसरे दिन गोंदिया 09.10/09.25 बजे, दुर्ग 11.50/11.55 बजे, रायपुर 12.30/12.35 बजे, बिलासपुर 14.25/14.40 बजे, झारसुगुड़ा 18.05/18.07 बजे, तीसरे दिन रक्सौल 17.00 बजे पहुचेगी । इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी गाड़ी संख्या 07052 नम्बर रक्सौल से 03.15 बजे रवाना होकर दूसरे दिन झारसुगुड़ा 01.53/01.55 बजे, बिलासपुर 04.40/04.50 बजे, रायपुर 06.20/06.25 बजे, दुर्ग 07.15/07.20 बजे, गोंदिया 09.20/09.30 बजे, तीसरे दिन तिरुपति 09.30 बजे पहुचेगी ।

हमर स्मार्ट स्कूल' बना बदलाव की मिसाल, डिजिटल पहल से निखर रही प्रतिभाएं,सपनों को मिल रही नई उड़ान

बिलासपुर। जिले के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा की तस्वीर तेजी से बदल रही है। 'हमर स्मार्ट स्कूल' पहल ने गांव के बच्चों तक आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाकर एक नई मिसाल कायम की है। डिजिटल पहल के जरिए अब बच्चों की प्रतिभाएं निखर रही हैं और उनके सपनों को नई उड़ान मिल रही है। जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए इस नवाचार के अंतर्गत स्कूली बच्चों को स्मार्ट क्लास के माध्यम से पढ़ाई कराई जा रही है। डिजिटल बोर्ड, वीडियो एनिमेशन और ऑडियो-वीडियो आधारित कंटेंट के उपयोग से कठिन विषय भी अब बच्चों को सरल और रोचक लगने लगे हैं। इससे न केवल पढ़ाई में रुचि बढ़ी है, बल्कि बच्चों का आत्मविश्वास भी मजबूत हुआ है।औद्योगिक प्रतिष्ठानों, बैंकों एवं अन्य संस्थानों के सीएसआर मद तथा जनसहयोग से जिले के 500 विद्यालयों में स्मार्ट टीवी स्थापित किए जा चुके हैं। एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, केनरा बैंक, रेल कोच फैक्ट्री सहित विभिन्न संस्थानों और दानदाताओं का योगदान इस पहल को सशक्त बना रहा है। यह जनसहभागिता शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बनकर उभरी है। जिन विद्यालयों का बोर्ड परीक्षा परिणाम 60 प्रतिशत से कम रहा है, उन्हें प्राथमिकता देते हुए वहां स्मार्ट टीवी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ई-विद्या पोर्टल और अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिए छात्र बेहतर तैयारी कर पा रहे हैं, जिससे उनके परीक्षा परिणाम में सुधार की उम्मीद भी बढ़ी है। सत्र 2024-25 के परीक्षा परिणाम इस दिशा में सकारात्मक संकेत देते हैं, जहां कक्षा 5वीं का परिणाम 88.96 प्रतिशत, कक्षा 8वीं का 78.79 प्रतिशत, कक्षा 10वीं का 75.60 प्रतिशत एवं कक्षा 12वीं का 82.87 प्रतिशत दर्ज किया गया है। शिक्षकों की कमी जैसी चुनौतियों के बावजूद स्मार्ट क्लास ने पढ़ाई को अधिक प्रभावी बनाया है। सीमित संसाधनों में भी अब कम समय में विषयवस्तु को स्पष्ट रूप से समझाया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को लाभ मिल रहा है। संपर्क फाउंडेशन द्वारा स्मार्ट टीवी के साथ नि:शुल्क कनेक्टिव डिवाइस उपलब्ध कराए जा रहे हैं, साथ ही शिक्षकों को इनके उपयोग के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। यह पहल शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनीं गई लोगों की समस्याएं अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश.....

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर जनदर्शन में नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे और एडीएम श्री शिव कुमार बनर्जी ने ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में तखतपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत विजयपुर के ग्रामीणों ने प्राथमिक शाला विजयपुर के प्रधान अध्यापक भरत ध्रुव को पद से हटाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रधान अध्यापक द्वारा शराब का सेवन कर शाला में दुर्व्यवहार एवं विद्यार्थियों को पढ़ाने में कोताही बरती जा रही है। पूर्व में भी प्रधान अध्यापक की शिकायत की गई परंतु आज दिनांक तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई है। डीईओ को मामले की जांच कर शीघ्र ही कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। रतनपुर की अंकिता कमलसेन एवं सिंघरी की प्रतिभा कोशले ने स्वयं का रोजगार स्थापित करने शासन की योजना अंतर्गत लोन दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि वह एक शिक्षित महिला है और सिलाई कार्य जानती है। उन्हें सिलाई मशीन एवं अन्य सामग्री खरीदने रूपयों की आवश्यकता है। लीड बैंक मैनेजर को आवश्यक कार्यवाही करने कहा। मेण्ड्रा के सूरज सूर्यवंशी सहित ग्रामवासियों ने ग्राम मेण्ड्रा के वार्ड 4 एवं 5 में हो रही पेयजल की समस्या से अवगत कराया। पीएचई विभाग को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।बेलतरा तहसील के बाम्हू निवासी परसराम ने जनदर्शन में आवेदन देकर बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रथम किश्त की राशि प्राप्त हो चुकी है, किन्तु दूसरे एवं तीसरे किश्त की राशि आज दिनांक तक नहीं मिलने के कारण उनके आवास का कार्य अधूरा है। उन्होंने शेष बची किश्त की राशि दिलाने की मांग की है। प्रकरण को बिल्हा के जनपद पंचायत सीईओ को भेजते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए है। ग्राम ऊनी की किरण वैष्णव ने बताया कि कुंआ की सफाई करने के दौरान उनके पति एवं पुत्र विद्युत तार की चपेट में आ गए जिससे उनकी मृत्यु हो गई। श्रीमती किरण ने इस संबंध में उचित मुआवजा राशि दिलाने गुहार लगाई गई। विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने कहा है। सिंघरी के दिनेश कुमार ने गांव के दूजराम के द्वारा किये गये अवैध कब्जे की शिकायत कलेक्टर से की है। उन्होंने बताया कि दूजराम द्वारा पक्का मकान बनाकर रास्ता अवरूद्ध कर बंद कर दिया गया है। रास्ता बाधित होने के कारण आवाजाही में उन्हें एवं ग्रामीणों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मामले को संबंधित अधिकारी को सौंपते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सैमसंग ने कैशबैक, ईएमआई ऑफर्स के साथ गैलेक्सी A57, A37 की बिक्री शुरू की

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड,सैमसंग ने अपने नए गैलेक्सी A57 5G और गैलेक्सी A37 5G स्मार्टफोनकी बिक्री 10 अप्रैल से शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी का कहना हैकि नई A सीरीज़ खासतौर पर युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार की गईहै, जिसमें एक टिकाउ एवं आकर्षक स्लिम डिजाइन में बेहतर कैमरा, दमदार परफॉर्मेंस और एआई फीचर्स का संयोजन मिलता है। गैलेक्सी A57 5G तीन रंगों—ऑसम नेवी, ऑसम आइसीब्लू और ऑसम लिलैक—में उपलब्ध होगा। इसकी कीमत 8GB/256GB वेरिएंट के लिए 56,999 रूपये और 12GB/256GB वेरिएंट के लिए 62,499 रूपये रखी गईहै। वहीं, गैलेक्सी A37 5G ऑसम लैवेंडर, ऑसम ग्रेग्रीन और ऑसम चारकोल रंगों में आएगा, जिसकी शुरुआती कीमत 8GB/128GB वेरिएंट केलिए 41,999 रूपये, 8GB/256GB वेरिएंट के लिए 47499 रुपये और 12GB/256GB वेरिएंट के लिए 52999 रुपये है। ग्राहक गैलेक्सी A57 और गैलेक्सी A37 5G को 'ट्रिपल ज़ीरो स्कीम' के तहत खरीद सकते हैं, जिसमें बिना डाउन पेमेंट, बिना ब्याज और बिना झंझट की सुविधा मिलती है। ये स्मार्टफोन Samsung.com, सैमसंग के एक्सक्लूसिव और पार्टनर स्टोर्स के साथ-साथ अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होंगे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप की धमकियों पर फिर भड़का ईरान, तेहरान की महिला प्रोफेसर का कड़ा जवाब

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड

ट्रंप की कड़ी चेतावनियों पर ईरान से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। तेहरान विश्वविद्यालय की महिला सहायक प्रोफेसर सेतारेह सादेकी ने साफ कहा कि हमारे सिर पर बंदूक रखकर बातचीत की बात करना ईरान के लिए कभी स्वीकार्य नहीं होगा। दरअसल, ट्रंप ने ईरान को अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि यदि मंगलवार रात तक कोई समझौता नहीं हुआ तो ईरान के बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान झेलना पड़ेगा। उन्होंने यहां तक कहा कि एक रात में ईरान को खत्म कर सकते हैं। सादेकी ने कहा कि अमेरिका की ये धमकियां कोई नई बात नहीं हैं, बल्कि पहले दिए गए डेडलाइन का विस्तार हैं। उनके मुताबिक ईरान इसे ऐसे देखता है जैसे हमारे सिर पर बंदूक तानकर बातचीत करने को कहा जा रहा हो, जो कभी काम नहीं करेगा। उन्होंने दोहराया कि जब तक ईरान के शहरों पर हमले और बमबारी जारी रहेगी, तब तक अमेरिका के साथ न तो बातचीत होगी और न ही किसी युद्धविराम पर सहमति बनेगी। तेहरान यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर ने अमेरिका पर गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि हाल के हमलों में विश्वविद्यालयों, रिसर्च सेंटर, टीकाकरण केंद्रों और पुलों को निशाना बनाया गया है। सादेकी के अनुसार, संभावना है कि अमेरिका आगे भी नागरिक ढांचे पर हमले तेज कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ने पहले भी अमेरिकी हमलों का जवाब प्रभावी तरीके से दिया है। ईरान ने क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों और इस्राइली इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर अपनी क्षमता दिखाई है। सादेकी ने चेतावनी दी कि ईरान भविष्य में भी ऐसे ही जवाब देगा जिससे अमेरिका की हमले करने की क्षमता कमजोर हो सके। व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह क्रिटिकल पीरियड है और ईरान को समझौते के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। उन्होंने कहा हमने उन्हें 10 दिन दिए हैं। अब उनके पास मंगलवार रात 8 बजे (ईस्टर्न टाइम) तक का समय है। इसके बाद उनके पास न पुल होंगे, न पावर प्लांट।

चीन ने 40 दिन के लिए ताइवान का हवाई क्षेत्र बंद किया, क्या किसी साजिश की आशंका?

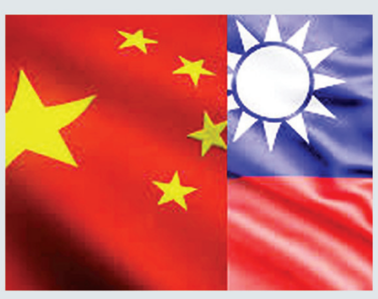

बीजिंग/ताइपे, एजेंसी। दुनिया जहां पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर ध्यान लगाए हैं वहीं चीन इस फिराक में है कि वह अपने एक चीन एजेंडे को कैसे अमल में लाए। इसके लिए उसने ताइवान द्वीप के पास 40 दिनों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने का कदम उठाया है। बता दें, ताइवान को चीन अपना ही क्षेत्र मानता है और इस जलक्षेत्र में अपने लड़ाकू विमान तथा जंगी विमानवाहक पोत भेजता रहा है। उसने छह मई तक यह बड़ा हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रविवार की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने बिना कोई स्पष्टीकरण दिए अपने क्षेत्र को 40 दिनों के लिए बंद करने का नोटिस जारी किया है। यह हवाई क्षेत्र दक्षिण कोरिया के पास पीत सागर से जापान के पास पूर्वी चीन सागर तक फैला हुआ है। चीन का यह कदम ये ऐसे वक्त हो रहा है जबकि अमेरिका इन दिनों ईरान में उलझा हुआ है और इस क्षेत्र से सैन्य साजो सामान भी पश्चिम एशिया ले जाया गया है। पहले ऐसे हवाई क्षेत्र की बंदी सैन्य अभ्यासों के लिए महज कुछ दिनों की ही होती थी। इतने लंबे हवाई क्षेत्र की बंदी के फैसले के पीछे की वजह चीनी विदेश मंत्रालय ने किसी को नहीं बताई है। आशंका है कि चीन मौजूदा हालात में ताइवान पर आक्रामक हो सकता है।

कोमा में है मोजतबा खामेनेई, कोम शहर में चल रहा सर्वोच्च नेता का इलाज; रिपोर्ट में बड़ा दावा

लंदन, एजेंसी। ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हैं। एक खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि मोजतबा खामेनेई वर्तमान में कोम शहर में इलाज करवा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार खामेनेई अचेत अवस्था में हैं और उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। माना जा रहा है कि इसी वजह से मोजतबा किसी भी निर्णय प्रक्रिया में हिस्सा लेने में असमर्थ हैं।

'द टाइम्स यूके' की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कूटनीतिक मेमो अमेरिकी और इस्राइली खुफिया एजेंसियों द्वारा खाड़ी सहयोगियों के साथ साझा की गई जानकारी पर आधारित है। इस रिपोर्ट में पहली बार सर्वोच्च नेता के ठिकाने का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मोजतबा खामेनेई का कोम शहर में इलाज चल रहा है और इस वजह से वे शासन के किसी भी निर्णय में शामिल नहीं हो पा रहे हैं।

मोजतबा की सार्वजनिक अनुपस्थिति ने गहराया शक: पश्चिम एशिया में संघर्ष छिड़ने के बाद से मोतबा खामेनेई ने कोई सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है। उनके नाम से जारी किए गए संदेशों का प्रसारण ईरानी सरकारी मीडिया द्वारा किया जा रहा है। इसकी वजह से मोजतबा के गंभीर रूप से घायल होने की खबरों को और बल मिला है।

अमेरिकी रिपोर्टों में अलग-अलग दावे: ईरानी अधिकारियों ने बयान जारी कर कहा कि देश की कमान नए सर्वोच्च नेता के हाथ में है। इसके बावजूद कई अमेरिकी रिपोर्टों में खामेनेई की सेहत पर सवाल खड़े किए हैं। किसी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मोजतबा कोमा में हैं और उनका इलाज किया जा रहा है। वहीं, द सन की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि हमलों में खामेनेई ने एक हाथ और एक पैर खो दिया है।

ट्रंप ने दी तबाही मचाने की चेतावनी: यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को मंगलवार आठ बजे (ईस्टर्न टाइम) तक एक समझौता करने का अल्टीमेटम दिया है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि इस समय सीमा के बाद कोई पुल और कोई बिजली संयंत्र नहीं बचेगा। ट्रंप ने स्वीकार किया कि संघर्ष 28 फरवरी को शुरू होने पर ईरान बहुत शक्तिशाली स्थिति में था, लेकिन अब अमेरिका ने उसके सिर को काट दिया है। उन्होंने कहा कि ये कदम 47 साल पहले ही उठाए जाने चाहिए थे। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह ठीक चल रहा है, लेकिन हमें देखना होगा।

आर्टेमिस II: इंसान ने चांद के उस हिस्से का किया दीदार, जिसे पहले किसी ने नहीं देखा

हूस्टन, एजेंसी। चांद मिशन के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड बन गया है। नासा के मिशन आर्टेमिस सेकंड ने इंसानों को पृथ्वी से अब तक की सबसे ज्यादा दूरी तक पहुंचा दिया है। इस मिशन ने अपोलो 13 का पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। नासा की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार जैसे ही अंतरिक्ष यात्री चांद के पास पहुंचे, उनके सामने खिड़कियों से चांद का शानदार नजारा दिखाई देने लगा। खास बात यह रही कि इस दौरान उन्हें चांद के उस हिस्से (फार साइड) को देखने का मौका मिला, जिसे पहले इंसानों ने कभी इस तरह करीब से नहीं देखा था। यह पूरा फ्लाईबाय करीब छह घंटे तक चला, जो इस मिशन का सबसे अहम हिस्सा माना जा रहा है। इस मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं, जो मिलकर इस ऐतिहासिक यात्रा को अंजाम दे रहे हैं। यह मिशन नासा की उस बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसके तहत एक बार फिर इंसानों को चांद पर उतारने की तैयारी की जा रही है। खास तौर पर चांद के साउथ पोल (दक्षिणी ध्रुव) पर अगले दो साल में इंसानों के कदम रखने का लक्ष्य रखा गया है। बता दें कि नासा के आर्टेमिस मिशन के अंतरिक्ष यात्री अब पृथ्वी से सबसे दूर पहुंचने वाले इंसान बन गए हैं। (भारतीय समयानुसार रात लगभग 11:27 बजे) उन्होंने 1970 में अपोलो 13 द्वारा बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ दिया। नासा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में बताया कि उनका यह मिशन चांद के दूरवर्ती हिस्से (फार साइड) के चारों ओर यात्रा करता हुआ।

ट्रंप के हमलों से निपटने के लिए ईरान में बनेगी मानव शृंखला, ढाल का करेंगे काम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल के हमले में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान के नए सर्वोच्च नेता चुने गए मोजतबा खामेनेई की सेहत पर संशय बरकरार है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि बमबारी में वे गंभीर रूप से घायल हुए, जिसके बाद उनके कई अंगों को नुकसान पहुंचा। कुछ खबरों में मोजतबा के कोमा में होने और यहां तक की एक पैर काटने की नौबत आने की बात भी सामने आई। हालांकि, ईरान की तरफ से इस संबंध में कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। युद्ध के 39वें दिन आई कुछ और रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है कि उनकी सेहत में कोई सुधार नहीं हो रहा है। संघर्षविराम और युद्ध को लेकर मोजतबा किसी तरह की प्रतिक्रिया देने की स्थिति में नहीं है। यहां तक कि उनके सटीक ठिकाने का भी पता लगाया जा चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की समयसीमा नजदीक आने से पहले ईरान ने बड़ी योजना बनाई है। तेहरान ने कथित तौर पर युवा ईरानियों से ईरान के प्रमुख बिजली संयंत्रों के चारों ओर प्रतीकात्मक मानव शृंखला बनाने का आह्वान किया है। ईरान के खेल और युवा मंत्रालय ने एथलीटों, कलाकारों और छात्रों सहित देश के युवाओं से मंगलवार को दोपहर दो बजे (स्थानीय समय) से इन स्थलों के आसपास इकट्ठा होने का आह्वान किया है। ईरान के युवा मामलों के उप मंत्री अलीरेजा रहीमी ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'कई विश्वविद्यालय के युवाओं, युवा कलाकारों और युवा संगठनों ने प्रस्ताव दिया कि हम देश के बिजली संयंत्रों के चारों ओर एक मानव घेरा या मानव शृंखला बनाएं। 'न्यूजीलैंड बोला- ईरानी बुनियादी ढांचे के खिलाफ अमेरिकी धमकियां 'निरर्थक' न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री

क्रिस्टोफर लक्सन ने ईरानी नागरिक अवसंरचना के खिलाफ ट्रंप की हालिया धमकियों को निरर्थक बताया है। उन्होंने कहा कि यह मददगार नहीं है, क्योंकि और अधिक सैन्य कार्रवाई की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मूल बात यह है कि इस संघर्ष को और अधिक फैलने से रोकने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि इस सप्ताह वॉशिंगटन में होने वाली बैठक में न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स का अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को संदेश होगा कि संघर्ष को कम किया जाए। जापान ने मंगलवार को कहा कि जनवरी से ईरान में हिरासत में लिए गए एक जापानी नागरिक को रिहा कर दिया गया है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने पत्रकारों को बताया कि उनकी रिहाई की पुष्टि सोमवार को हुई थी। जिस व्यक्ति को रिहा किया गया है, वह जापान के एनएचके सार्वजनिक टेलीविजन में पत्रकार बताया जा रहा है। किहारा ने कहा कि व्यक्ति स्वस्थ है, लेकिन उन्होंने आगे कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान युद्ध में अब तक 13,000 से अधिक लक्ष्यों पर हमले किए हैं। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य अभियानों के लिए जिम्मेदार और ईरान पर हमलों का नेतृत्व कर रही अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसकी सेनाओं ने 13,000 से अधिक ईरानी ठिकानों पर हमला किया है। सेंट्रल कमांड ने यह भी कहा कि 155 से अधिक ईरानी जहाजों को नुकसान पहुंचाया गया है या नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिकी परमाणु-संचालित विमानवाहक पोत और पनडुब्बियां ऑपरेशन एपिक फ्यूरी में भाग ले रही हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाक के बीच सुलह का फिर लिया श्रेय

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को समाप्त कराया था। उन्होंने दावा किया कि इससे तीन से पांच करोड़ जिंदगियां बचीं। यह बयान ईरान के साथ जारी छह सप्ताह के युद्ध के बीच आया है। पिछले साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव तब बढ़ा था, जब नई दिल्ली ने पाकिस्तान के अंदर आतंकवादियों को निशाना बनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। ट्रंप का यह दावा नया नहीं है; उन्होंने पहले भी कई बार कहा है कि उन्होंने इस संघर्ष को समाप्त कराया था, जबकि भारत सरकार ने इन दावों का खंडन किया है। व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने कहा, 'मैंने भारत और पाकिस्तान सहित आठ संघर्षों को खत्म किया। इतना ही नहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने मुझे बताया कि मैंने तीन से पांच करोड़ लोगों की जान बचाई।' उन्होंने इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में दूसरी बार इस दावे को दोहराया और कहा कि उन्होंने आठ युद्ध समाप्त किए। उन्होंने नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने पर भी निराशा व्यक्त की।

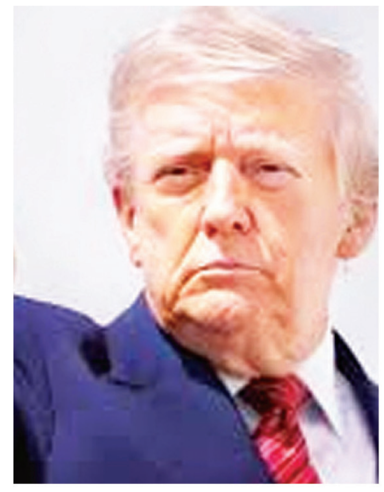

नाटो पर फिर निकाला गुस्सा

ट्रंप ने यह भी कहा कि एक और युद्ध खत्म करना बाकी है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह ईरान, यूक्रेन या कोई अन्य वैश्विक संघर्ष है। डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगियों द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में शामिल होने से इनकार करने और ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामक अभियानों में सहायता करने में उनकी हिचकिचाहट पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने अपने सहयोगी देशों से समर्थन की कमी पर भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'क्या आप जानते हैं कि किसी ने हमारी मदद नहीं की? दक्षिण कोरिया ने हमारी मदद नहीं की। ऑस्ट्रेलिया ने हमारी मदद नहीं की। जापान ने मदद नहीं की। हमने जापान में 50,000 सैनिक तैनात किए हैं, हमने दक्षिण कोरिया में 45,000 सैनिक तैनात किए हैं, ताकि किम जोंग उन से बचाया जा सके, जिनसे मेरी बहुत अच्छी बनती है। '

ईरान को दी भीषण हमलों की चेतावनी

ट्रंप ने ईरान को मंगलवार शाम आठ बजे की समयसीमा तक अमेरिका के साथ समझौता न करने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'हमारे पास एक योजना है, जिसके तहत ईरान का हर पुल कल रात 12 बजे तक तबाह कर दिया जाएगा।' उन्होंने आगे कहा कि ईरान के बिजली संयंत्र 'जलते हुए, फटते हुए और फिर कभी इस्तेमाल न होने वाले' होंगे।

क्या ईरान पर ट्रंप की धमकियां बेअसर? आईआरजीसी बोली- सेना ने अमेरिकी-इस्राइली ठिकानों पर हमले किए

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने कहा है कि उस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का कोई असर नहीं होगा। देश की सरकारी मीडिया पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी सेना- आईआरजीसी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बयानों को 'आधारहीन' बताया है। ईरान की सेना ने कहा है कि ट्रंप की धमकियों से अमेरिका और इस्राइली सुरक्षाबलों के खिलाफ जारी आक्रामक कार्रवाई प्रभावित नहीं होगी। ईरान के मुताबिक धमकियों से पश्चिम एशिया में हुआ अमेरिका का अपमान नहीं मिटेगा। आईआरजीसी के खातम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता- इब्राहिम जोल्फाघारी ने दावा किया कि इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) नौसेना बलों ने इस्राइली कंटेनर जहाज एसडीएन 7 पर क्रूज मिसाइल से हमला किया। इस हमले से जहाज में बड़ी आग लग गई और वह नष्ट हो गया। अमेरिकी हमलावर जहाज एलएचए-7 भी दोनों पक्षों के बीच हुई भारी गोलाबारी की चपेट में आया। ईरानी सेना का कहना है कि उसके हमले के कारण अमेरिकी जहाजों को हिंद महासागर में पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स ने

उत्तरी और दक्षिणी तेल अवीव के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया। हाइफा के रणनीतिक केंद्रों और बीर शेवा के रासायनिक संयंत्रों पर भी हमला किया गया। आईआरजीसी के मुताबिक सेना ने पेता टिकवा में इस्राइली सैनिकों की एक टुकड़ी पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से सटीक हमला किए जाने का दावा किया। आईआरजीसी के मुताबिक ईरानी सेना की कार्रवाई- ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस चार के 98वें चरण में दो बार हमले किए गए। कुवैत में अमेरिकी अल-अदैरी बेस पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया गया।

फजीहत के बाद बदले पाकिस्तान के सुर, यूएस-ईरान समझौते पर अब किया टिप्पणी से इनकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए शांति प्रस्ताव की खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, विदेश कार्यालय ने कहा कि शांति प्रक्रिया जारी है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा, '45 दिवसीय युद्धविराम की पेशकश या 15-सूत्रीय समझौते की कई खबरें आई हैं। हम इन पर टिप्पणी नहीं करते हैं।' पाकिस्तान का यह बयान रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें दावा किया गया था कि ईरान और अमेरिका को पाकिस्तान द्वारा तैयार की गई एक योजना मिली है, जो युद्धविराम करा सकती है। रिपोर्ट में एक सूत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि युद्धविराम की यह रूपरेखा रातोंरात दोनों पक्षों के साथ साझा की गई थी।

अमेरिकी मीडिया एक्सियोस ने अपनी एक रिपोर्ट में स्रोतों का हवाला देते हुए बताया था कि अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थ एक संभावित 45-दिवसीय युद्धविराम पर चर्चा कर रहे थे। जो युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने की दिशा में दो-चरणीय समझौते का हिस्सा हो सकता है। इसमें पहले युद्धविराम और फिर व्यापक समझौता किए जाने का दावा किया गया था।

ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार मध्यस्थ पाकिस्तान के जरिए अमेरिका द्वारा दिए गए प्रस्ताव पर जवाब देते हुए तेहरान ने युद्धविराम को खारिज कर दिया। ईरान ने कहा कि युद्ध का स्थायी अंत जरूरी है। ईरान के जवाब में 10 सूत्र शामिल थे, जिनमें क्षेत्र में संघर्षों की समाप्ति, होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवागमन के लिए एक प्रोटोकॉल, प्रतिबंधों को हटाना और पुनर्निर्माण शामिल थे।

मध्यस्थ बन रहे पाकिस्तान के युद्धविराम प्रस्ताव के जवाब में ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि बातचीत अल्टीमेटम और युद्ध अपराधों के अंजाम देने की धमकी के साथ असंगत है। प्रवक्ता इस्माइल बघेई ने कहा कि 15-सूत्रीय योजना जैसी पिछली अमेरिकी मांगों को बहुत ज्यादा होने की वजह से अस्वीकार कर दिया गया था। पाकिस्तान खुद को शांति प्रक्रिया में एक सूत्रधार के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान इस युद्ध में मध्यस्थ की भूमिका निभाकर अमेरिका के साथ अपने संबंधों और ईरान के साथ अपने कामकाजी संबंधों का लाभ उठा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर एक निश्चित समयसीमा के भीतर युद्धविराम नहीं हुआ तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। एक सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से नहीं खोला तो अमेरिका उसके बिजली संयंत्रों और पुलों को निशाना बनाएगा।

मुझे मेरे जैसे और लोगों की जरूरत: ईरान पर अपने विवादित पोस्ट को लेकर घिरे ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने बयान को लेकर विवादों में आ गए हैं। इस बार मामला उनके उस सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने ईरान को लेकर बेहद कड़ी और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए समझौता नहीं किया, तो उन्हें भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा। इस बयान के बाद जब पत्रकारों ने उनसे आलोचना पर सवाल किया, तो ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा कि उन्हें आलोचकों की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे आलोचकों की परवाह नहीं है।' जब उनसे यह भी पूछा गया कि कुछ लोग उनके मानसिक स्वास्थ्य पर सवाल उठा रहे हैं, तो उन्होंने इसे भी नजरअंदाज करते हुए कहा कि अगर ऐसा है, तो देश को उनके जैसे और लोगों की जरूरत है। ट्रंप ने अपने बचाव में कहा कि उनके राष्ट्रपति बनने से पहले अमेरिका को व्यापार समेत कई मामलों में नुकसान उठाना पड़ रहा था, लेकिन उन्होंने आकर स्थिति बदली। उनका कहना था कि उनकी सख्त नीति और बयानबाजी ही अमेरिका के हित में है। हालांकि, उनके इस बयान के बाद विपक्ष और कई आलोचकों ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

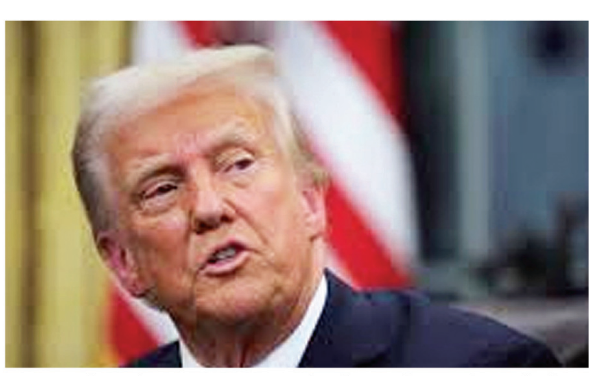

खासकर ईस्टर के दिन किए गए उनके सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर लोगों ने इसे घृणित और अशोभनीय बताया। कुछ नेताओं ने तो यहां तक मांग कर दी कि उनके मंत्रिमंडल को 25वां संशोधन का इस्तेमाल कर उन्हें पद से हटाने पर विचार करना चाहिए।

इस तनाव के बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगर उनके हाथ में फैसला होता, तो अमेरिका ईरान के तेल पर कब्जा कर सकता है, क्योंकि वह खुद को पहले बिजनेसमैन मानते हैं। व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले भी वेनेजुएला के साथ तेल को लेकर साझेदारी कर चुका है, इसलिए ईरान के मामले में भी ऐसा किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि 'जंग जीतने वाले को उसका फायदा मिलना चाहिए' और अमेरिका को भी इसका इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने साफ इशारा दिया कि अमेरिका अपनी पुरानी नीति से हटकर युद्ध के बाद संसाधनों पर कब्जा करने की सोच सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने दूसरे देशों की मदद की, लेकिन अब ऐसा नहीं होना चाहिए।

इस दौरान ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि ईरान के पास समझौता करने के लिए मंगलवार रात 8 बजे (भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह 5:30 बजे) तक का वक्त है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस समय तक कोई डील नहीं होती, तो ईरान में 'न पुल बचेंगे, न पावर प्लांट' और देश पाषाण युग में पहुंच जाएगा। ट्रंप ने बताया कि ईरान ने पहले सात दिन का समय मांगा था, लेकिन अमेरिका ने उसे 10 दिन दिए। अब यह अंतिम समयसीमा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत 'महत्वपूर्ण अवधि' है और अब फैसला ईरान को ही करना है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दावा किया कि जब यह संघर्ष 28 फरवरी को शुरू हुआ था, तब ईरान ज्यादा मजबूत था, लेकिन अब अमेरिका ने उसे कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 47 वर्षों में जो कदम उठाए जाने चाहिए थे, वो अब किए जा रहे हैं। इसके अलावा, ट्रंप ने एक और बड़ा दावा किया कि ईरान के कुछ लोग खुद अमेरिका से कह रहे हैं कि 'बमबारी जारी रखें', क्योंकि वे अपने देश में आजादी चाहते हैं। उनके मुताबिक, ईरान में हालात बहुत खराब हैं और विरोध करने वालों पर सख्त कार्रवाई होती है। ट्रंप ने साफ कहा कि ईरान के साथ हुए युद्ध के दौरान नाटो और अमेरिका के करीबी देशों- जापान, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया, ने अमेरिका का साथ नहीं दिया। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ईरान युद्ध ने नाटो के साथ रिश्तों पर ऐसा असर डाला है, जो उनके मुताबिक कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने नाटो को पेपर टाइगर यानी कमजोर संगठन बताते हुए कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी इससे नहीं डरते।

ब्रीफ न्यूज

केकेआर और सुपरजायंट के बीच आज होगा मुकाबला

कोलकाता । कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम गुरुवार को यहां के ईडन गार्डन में होने वाले आईपीएल मुकाबले में लखपऊ सुपरजायंट्स का सामना करेगी। केकेआर का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान का लाभ उठाकर सत्र में पहली जीत करना रहेगा। इस सत्र में अब तक हुए तीनो ही मैचों में केकेआर हारी है। इससे वह काफी दबाव में है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अब तक असफल रही है। अभी तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच 6 मैच हुए हैं जिसमें से 2 केकेआर जबकि 4 सुपर जायंट्स ने जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी मुकाबला पिछले आईपीएल सत्र में कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में ही खेला गया था जहां लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने 238 रनों का स्कोर करके केकेआर पर 4 रनों से जीत दर्ज की। ऐसे में इस मैच में भी सुपर जायंट्स का पलड़ा भारी नजर आता है। सुपर जायंट्स ने पिछले मैच में जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल भी बढ़ा हुआ है। इसके अलावा कप्तान ऋषभ पंत के फार्म हासिल करने से भी टीम का होंसला बढ़ा हैं।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

13 से 17 अप्रैल के बीच चार मैच खेलेगी

नई दिल्ली । भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम चार मैचों की सीरीज खेलने के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम इस दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स में मैच खेलेगी। ये सभी मुकाबले नेशनल सेंटर ऑफ हाई परफॉर्मेंस एथलेटिक्स सेंटर (सीएएनएआरडी) में खेले जाएंगे। भारतीय टीम को इस दौरे से आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। भारतीय महिला टीम अर्जेंटीना के खिलाफ 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को मैच खेलेगी। इस दौरे में टीम को अर्जेंटीना जैसी मजूबत टीम से खेलने और अपनी कमजोरियों को दूर करने का अवसर मिलेगा। दोनो ही टीमों के बची हाल में रोमांचक मुकाबले हुए हैं।

कोच पामेला ने घोषित की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम

रुस के खिलाफ खेलेगी तीन दोस्ताना मुकाबले

नई दिल्ली । भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कोच पामेला कोनटी ने कहा है कि रुस के खिलाफ सोची में होने वाले अंडर-17 फुटबॉल मुकाबलों के लिए उभरते हुए खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। भारतीय टीम 11 से 17 अप्रैल के बीच होने वाले इस दौर में रूस के खिलाफ तीन दोस्ताना मैच खेलेगी। इस दौरो के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित की गयी है। इस दौरे से भारतीय टीम को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे से खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा। रूस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम अपने कमजोरियों को दूर कर सकेगी।

महंगे खिलाड़ियों का बिजनेस मॉडल, कई खेलों में संन्यास के बाद भी सैलरी

फुटबॉल में इक्विटी, बास्केटबॉल में रेवेन्यू शेयरिंग से कमाई

द न्यूयॉर्क। खेल की दुनिया का एक सीधा सच है कि जो खिलाड़ी जितना मशहूर है, उसकी कीमत उतनी ही ज्यादा है। मौजूदा दौर में सुपरस्टार एथलीट्स सिर्फ अपनी टीमों के लिए खेलने वाले मोहरे नहीं रह गए हैं। वे खुद ग्लोबल ब्रांड हैं। यही वजह है कि लियोनेल मेसी या क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे दिग्गज करियर के ढलान पर होने के बावजूद दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीट हैं।

इन खिलाड़ियों को पैसे देने का बिजनेस मॉडल काफी अलग है। कहीं 'डिफर्ड मनी' (भविष्य में भुगतान) से टैक्स बचाया जा रहा है, तो कहीं 'लेवरेज' (दबाव) का इस्तेमाल कर खिलाडी मनचाही कीमत वसूल रहे हैं।

फुटबॉल - मेसी को अमेरिकन क्लब इंटर मियामी में सैलरी के साथ हिस्सेदारी भी मिली

38 साल के लियोनेल मेसी जब यूरोप छोड़कर अमेरिकी लीग की टीम इंटर मियामी से जुड़े, तो उन्हें सिर्फ 800 करोड़ रुपए की सालाना सैलरी ही नहीं मिली, बल्कि क्लब में 'इक्विटी'

(हिस्सेदारी) और लीग के ब्रॉडकास्ट पार्टनर के रेवेन्यू में से एक तय हिस्सा भी दिया गया।

वहीं, रोनाल्डो सऊदी क्लब अल-नासर क्लब में सालाना 2000 करोड़ रुपए कमा रहे हैं। यह पैसा सऊदी के 'पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड' से आता है। रोनाल्डो की स्टार पावर का इस्तेमाल कर सऊदी अरब अपनी छवि सुधारना चाहता है।

बेसबॉल - शोहेई ओटानी के साथ 'डिफर्ड मनी' मॉडल, क्लब की टैक्स बचाने की डील

मेजर लीग बेसबॉल में कोई सैलरी कैप नहीं है, लेकिन एक तय सीमा से ज्यादा खर्च करने पर 'लग्जरी टैक्स' देना पड़ता है। जापानी सुपरस्टार शोहेई ओटानी ने लॉस एंजिलिस डोजर्स के साथ 10 साल के लिए करीब 6450 करोड़ रुपए का करार किया। ओटानी हर साल करीब 18.5 करोड़ रुपए की सैलरी लेंगे। बाकी के करीब 6300 करोड़ उन्हें उनके रिटायरमेंट के बाद (2034 से 2043 तक) किश्तों में दिए जाएंगे। इस 'डिफर्ड मनी' मॉडल ने टीम को लग्जरी टैक्स से बचा लिया।

गुजरात की आईपीएल-19 में पहली जीत

दिल्ली को एक रन से हराया; गिल-बटलर और सुंदर की फिफ्टी, राशिद को 3 विकेट

अरुण जेटली । गुजरात टाइटंस ने आईपीएल-19 में पहली जीत हासिल की है। टीम ने बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स को रोमांचक मैच में एक रन से हराया। दिल्ली को सीजन में पहली हार मिली है।

अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 210 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 209 रन ही बना सकी।

राशिद खान ने 3 विकेट झटके। प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट लिए। सिराज को एक विकेट मिला। दिल्ली की ओर से केएल राहुल ने 92 रनों की पारी खेली। आखिर में डेविड मिलर ने 20 बॉल पर 41 रन बनाए। लेकिन, ये दोनों टीम को जीत नहीं दिला सके।

तज्ञ के लिए कप्तान शुभमन गिल ने 45 बॉल पर 70, जोस बटलर ने 27 बॉल पर 52 और वॉशिंगटन सुंदर ने 32 बॉल पर 55 रन बनाए। दिल्ली से मुकेश कुमार ने दो विकेट झटके। लुंगी एनगिडी और कुलदीप यादव ने एक-एक विकेट लिया।

राशिद खान ने बैक-टु-बैक विकेट झटके

10वें ओवर में राशिद खान ने लगातार दो बॉल पर दो विकेट झटके। उन्होंने 5वीं बॉल पर नीतीश राणा (5 रन) को साई सुदर्शन के हाथों कैच कराया। उसके बाद समीर रिजवी को बोल्ड कर दिया। राशिद के इस ओवर से 4 रन आए।

गुजरात एक रन से जीती मैच

गुजरात टाइटंस ने एक रन से दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत दर्ज की। बुधवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में गुजरात ने 20 ओवर में चार विकेट पर 210 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 209 रन ही बना सकी।

उत्तराखंडः टिहरी में आईटीबीपी द्वारा आयोजित 25वां अखिल भारतीय जल क्रीड़ा क्लस्टर आज से शुरु

दिल्ली। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) द्वारा आयोजित 25वां अखिल भारतीय जल क्रीड़ा क्लस्टर आज उत्तराखंड के टिहरी जिले के वसाई में शुरू होने जा रहा है। यह पांच दिवसीय आयोजन इस माह की 12 तारीख तक चलेगा। आईटीबीपी के महानिरीक्षक मनु महाराज ने कहा कि देश भर से 19 टीमें कैनोइंग, रोइंग और कयाकिंग सहित 52 स्पर्धाओं में भाग लेंगी। राज्य पुलिस और अर्धसैनिक बलों के चार सौ 40 से अधिक जवान भाग लेंगे। इनमें 130 महिलाएं और 310 पुरुष शामिल हैं। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयोजन का उद्घाटन उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। आईटीबीपी के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहेंगे।

एशिया बैडमिंटन चैम्पियनशिपः पहले दौर में आयुष शेट्टी ने विश्व के 7वें नम्बर के खिलाड़ी ली शी फेंग को हराया

मुंबई। चीन में एशिया बैडमिंटन चैम्पियनशिप में आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आज पहले दौर में विश्व के 7वें नम्बर के खिलाड़ी ली शी फेंग को लगातार सेटो में 21-13, 21-16 से हराया। यह मैच 50 मिनट से कुछ अधिक समय तक चला। शेट्टी का अगला मुकाबला ताइवान के खिलाड़ी ची यू जेन से होगा। मिक्सड डबल्स में, भारत की तनीशा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी ने थाईलैंड के फुवानत होर्बनलुकिट और बेन्यापा ऐम्सार्ड को कड़े मुकाबले में हराया। पुरुष सिंगल्स में एच. एस. प्रणॉय का मुकाबला वियतनाम के गुयेन हाई डांग से होगा। पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन भी आज अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

आई.एस.एस.एफ विश्व कपः पलक और मुकेश ने 10 मी. एयर पिस्टल मिक?सड टीम स्पर्धा में जीता स्वर्ण

मुंबई। स्पेन के ग्रेनाडा में आयोजित आई.एस.एस.एफ विश्व कप में कल भारतीय निशानेबाज पलक गुलिया और मुकेश नेलावल्ली ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक ?सड टीम स्पर्धा में जूनियर विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता ।फाइनल में दोनों ने कुल 487.7 अंक हासिल किए। आई.एस.एस.एफ विश्व कप में नेलावल्ली का यह पहला पदक था। इससे पहले, उन्होंने क्वालीफाइंग राउंड में भी अच्छा प्रदर्शन किया और दूसरे स्थान पर रहकर पदक के लिए क्वालीफाई किया। चीन ने रजत पदक, जबकि हंगरी ने कांस्य पदक हासिल किया। 18 वर्षीय पलक ने इससे पहले 2023 एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण और टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। जहां उन्होंने रिकॉर्ड बनाते हुए और 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल किया।

स्पेन में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए रियल मैड्रिड के काइलान एंबापे और अन्य खिलाड़ी।

यशस्वी के आईपीएल में 100 सिक्स पूरे, राजस्थान की दूसरी फास्टेस्ट टीम फिफ्टी; मोमेंट्स-रिकार्ड्स

वैभव ने बुमराह की पहली बॉल पर सिक्स लगाया

गुवाहाटी। राजस्थान रॉयल्स ने मंगलवार को आईपीएल2026 के 13वें मैच में मुंबई इंडियंस को 27 रन से हरा दिया। बारिश के कारण यह मैच 11-11 ओवर का ही हुआ। गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में हुए मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह की पहली ही गेंद पर सिक्स लगा दिया। यशस्वी जायसवाल ने आईपीएलमें 100 सिक्स पूरे कर लिए। वैभव और यशस्वी की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर राजस्थान ने महज 2.4 ओवर में 50 रन बनाकर आईपीएलइतिहास की दूसरी सबसे तेज टीम फिफ्टी लगाई। वैभव 19 या उससे कम उम्र में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बैटरवैभव सूर्यवंशी 19 साल या उससे कम उम्र में आईपीएल में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 10 पारियों में 35 सिक्स लगाए हैं। इस मामले में उन्होंने ऋषभ पंत (30) और ईशान किशन (30) को पीछे छोड़ा। यशस्वी के आईपीएलमें 100 सिक्स पूरे

यशस्वी जायसवाल ने आईपीएल में अपने 100 सिक्स पूरे किए। वे राजस्थान रॉयल्स के लिए 100 या उससे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। इस मामले में संजू सैमसन (192) टॉप पर हैं, जबकि जोस बटलर (135) और शेन वॉटसन (109) उनसे आगे हैं। बारिश की वजह से मैच 2 घंटे 40 मिनट देरी से शुरू हुआ

गुवाहाटी में बारिश ने खेल बिगाड़ दिया। ख्द्ध और त्रक्र का मुकाबला तय समय से 2 घंटे 40 मिनट देरी से शुरू हुआ। मौसम की वजह से ओवर घटाकर मैच 11-11 ओवर का किया गया।

यशस्वी ने पहले ओवर में 5 बाउंड्री लगाई

यशस्वी जायसवाल ने पहले ओवर में 4 चौके और एक सिक्स लगा दिया। उन्होंने दीपक चाहर के खिलाफ 22 रन बटोरे। इस ओवर में जायसवाल ने पहली ही गेंद पर चौका लगा दिया। उन्होंने दूसरी गेंद पर सिक्स जड़ा और फिर तीसरी व चौथी गेंद पर लगातार बाउंड्री लगाई। ओवर की आखिरी गेंद पर भी चौका लगा दिया। यशस्वी की चौके से 17वीं आईपीएलफिफ्टी

यशस्वी जायसवाल ने चौके के साथ अपनी 17वीं आईपीएल फिफ्टी पूरी की। उन्होंने हार्दिक पंड्या की गेंद को कट शॉट खेलते हुए डीप पॉइंट बाउंड्री तक पहुंचाया। इस चौके के साथ जायसवाल ने लगातार दूसरी फिफ्टी भी लगाई।

रदरफोर्ड का सिक्स दर्शक को लगा

शेरफेन रदरफोर्ड का एक सिक्स स्टैंड में बैठे दर्शक को जा लगा। 8वें ओवर में तुषार देशपांडे की फुल लेंथ गेंद पर उन्होंने शॉट खेला और गेंद डीप एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से स्टैंड में गई। 92 मीटर लंबा यह सिक्स स्टैंड में बैठी एक बच्ची को जा लगा।

राजस्थान ने अपने रिकॉर्ड की बराबरी की

राजस्थान रॉयल्स ने अपनी ही सबसे तेज टीम फिफ्टी रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। टीम ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 2.4 ओवर में 50 रन पूरे किए। इससे पहले भी राजस्थान ने 2023 में 2.4 ओवर में ही कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ फिफ्टी लगाई थी। सबसे तेज टीम फिफ्टी का रिकॉर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नाम है, जिन्होंने 2011 में कोच्चि टस्कर्स केरल के खिलाफ 2.3 ओवर में 50 रन बनाए थे।

यशस्वी की चौके से 17वीं आईपीएलफिफ्टी

यशस्वी जायसवाल ने चौके के साथ अपनी 17वीं आईपीएल फिफ्टी पूरी की। उन्होंने हार्दिक पंड्या की गेंद को कट शॉट खेलते हुए डीप पॉइंट बाउंड्री तक पहुंचाया।

वैभव ने बुमराह की पहली बॉल पर सिक्स लगाया

वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह के ओवर में 2 सिक्स लगाए। पहली ही गेंद पर उन्होंने लॉन्ग-ऑन के ऊपर से शानदार सिक्स लगाया। इसके बाद शॉर्ट गेंद पर पुल शॉट खेलते हुए डीप स्क्वेयर लेग के पार सिक्स लगा दिया।

सफलता की कहानी : कच्चे छप्पर से पक्के मकान तक—बिहारी का बदला जीवन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के साजा जनपद अंतर्गत ग्राम केहका निवासी बिहारी पिता दुखित की जीवन यात्रा आज एक प्रेरणादायक कहानी बन चुकी है। कुछ वर्ष पहले तक उनका परिवार एक छोटे से कच्चे मकान में जीवन यापन कर रहा था, जहाँ हर दिन संघर्ष और असुरक्षा का सामना करना पड़ता था। मिट्टी की दीवारें और खपरैल की छत मानसून के मौसम में बड़ी परेशानी का कारण बनती थीं, जिससे पूरा परिवार भय और असुविधा में जीने को मजबूर था। बरसात के दिनों में हालात और भी चुनौतीपूर्ण हो जाते थे। छत से टपकता पानी, दीवारों में सीलन और रातभर जागकर समय बिताना बिहारी के परिवार की मजबूरी बन चुकी थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे स्वयं पक्का मकान बनवाने में असमर्थ थे, जिससे उनका ÷अपने घर÷ का सपना अधूरा ही नजर आता था। इसी बीच प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने उनके जीवन में नई उम्मीद की किरण जगाई। योजना के तहत उनका चयन हुआ और शासन से प्राप्त आर्थिक सहायता ने उनके सपनों को साकार करने का मार्ग प्रशस्त किया। बिहारी बताते हैं कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि इतनी जल्दी उन्हें पक्का मकान मिल पाएगा। सरकारी सहयोग ने उनके जीवन की सबसे बड़ी चिंता को समाप्त कर दिया। योजना के तहत प्राप्त किस्तों का सही उपयोग करते हुए बिहारी ने मेहनत और लगन से अपने पुराने कच्चे घर की जगह एक मजबूत और सुंदर पक्का मकान तैयार कर लिया। अब उनका परिवार सुरक्षित वातावरण में जीवन बिता रहा है। पक्के घर के निर्माण से न केवल उन्हें मौसम की मार से राहत मिली है, बल्कि बार-बार मरम्मत के खर्च से भी छुटकारा मिल गया है। आज बिहारी पिता दुखित अपने नए घर में ससम्मान जीवन जी रहे हैं। इस बदलाव ने उनके जीवन स्तर को नई दिशा दी है। ग्राम पंचायत केहका और जनपद पंचायत साजा के अधिकारियों के सहयोग तथा शासन की इस जनकल्याणकारी योजना ने उनके जैसे अनेक ग्रामीण परिवारों के जीवन में खुशहाली और आत्मविश्वास का संचार किया है।

14 अप्रैल को जिले भर में ग्राम सभाओं का आयोजन, विकास एवं जनकल्याण के मुद्दों पर होगी व्यापक चर्चा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला पंचायत बेमेतरा के निर्देशानुसार आगामी 14 अप्रैल 2026 को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर (पंचायत) कार्यालय द्वारा सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। ग्राम सभाओं में पंचायत राज अधिनियम 1993 के प्रावधानों के तहत विभिन्न विकास कार्यों, योजनाओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही पूर्व ग्राम सभा के निर्णयों के क्रियान्वयन की समीक्षा, पंचायत के आय-व्यय का अनुमोदन तथा विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में पंचायतों की परिसंपत्तियों के अद्यतन, ऑनलाइन रिकॉर्ड संधारण, एवं राजस्व वसूली जैसे विषयों पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। इसके अलावा सड़कों पर मवेशियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम, खुले में पशु विचरण पर नियंत्रण तथा जनजागरूकता बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा होगी। ग्राम सभाओं में स्वच्छता, पेयजल, बिजली, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। जरूरतमंद हितग्राहियों को वितरित राशन एवं लाभकारी योजनाओं की जानकारी साझा की जाएगी, साथ ही जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से संबंधित कार्यों की प्रगति भी प्रस्तुत की जाएगी।

विभागीय एजेंडों पर भी होगा फोकस-समाज कल्याण विभाग के तहत विभिन्न पेंशन योजनाओं—इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग पेंशन एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के हितग्राहियों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। कृषि विभाग द्वारा 'धरती माता बचाओ अभियान' के अंतर्गत ग्राम स्तरीय निगरानी, समितियों के गठन पर चर्चा होगी। महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़, कुपोषण मुक्ति एवं आंगनबाड़ी सेवाओं से जुड़े विषयों पर विचार किया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास एवं स्वच्छ भारत मिशन पर विशेष ध्यान-प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पात्र हितग्राहियों के चयन, प्रतीक्षा सूची के निराकरण एवं आवास प्लस सूची के अद्यतन पर चर्चा होगी। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत गांवों को खुले में शौच मुक्त बनाए रखने, स्वच्छता शपथ दिलाने, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, तथा सामुदायिक शौचालयों के रखरखाव जैसे मुद्दों पर भी ग्राम सभा में निर्णय लिए जाएंगे।

शिक्षा विभाग से जुड़ा महत्वपूर्ण निर्णय-जिले में कक्षा 1 से 12वीं तक के लगभग 9418 विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र लंबित होने के कारण ग्राम सभाओं में इस विषय पर प्रस्ताव पारित कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

अन्य महत्वपूर्ण बिंदु-पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों के संरक्षण, अवैध रेत उत्खनन पर रोक, तथा हर घर जल योजना जैसे विषयों पर भी ग्राम सभाओं में प्रस्ताव पारित किए जाएंगे।

जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्राम सभाओं का आयोजन समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक जनभागीदारी के साथ विकास कार्यों को गति मिल सके।

हर महीने के तीसरे सोमवार को होगा स्वास्थ्य शिविर

पैरी पखना गांव में कलेक्टर की चौपाल

जगदलपुर /मूक पत्रिका

जगदलपुर बस्तर जिले के दरभा विकासखंड के सुदूर अंचल स्थित ग्राम पंचायत करका के पैरी पखना गाँव में कलेक्टर आकाश छिकारा ने गुरुवार को चैपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में स्थित इस गाँव तक पहुंचने के लिए कलेक्टर ने सुकमा जिले के बंकेपाल तक चारपहिया वाहन से यात्रा की, इसके बाद पैदल और मोटरसाइकिल से कठिन रास्ता तय कर गाँव पहुँचे। गाँव पहुंचने पर ग्रामीण महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से कलेक्टर श्री आकाश छिकारा और जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन का स्वागत किया। चौपाल के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए मोबाइल कनेक्टिविटी, राशन व्यवस्था, आधार कार्ड निर्माण, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, राशन दुकान, स्वास्थ्य सेवाएं और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग रखी। इस पर कलेक्टर ने कहा कि पूर्व में माओवाद गतिविधियों के कारण यह क्षेत्र विकास से वंचित रहा, लेकिन अब हालात में सुधार के साथ विकास कार्यों को तेजी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि गाँव को सड़क से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत प्रस्ताव भेजा गया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आधार कार्ड बनाने के लिए प्रत्येक सोमवार को शिविर आयोजित किया जाए, वहीं हर महीने के तीसरे सोमवार को स्वास्थ्य शिविर लगाया जाए। उन्होंने ग्रामीणों को वन अधिकार पट्टा, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, महतारी वंदन योजना और मातृ वंदन योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। इसके साथ ही पशुपालन और मत्स्यपालन विभाग की योजनाओं से लाभ लेने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया गया। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बाइक एम्बुलेंस की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने गाँव में पहुँचने के दौरान ग्रामीणों द्वारा उपयोग की जाने वाली स्थानीय परंपरागत पेयजल साधन (चुंआ) का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने बच्चों को चॉकलेट, बिस्किट, टिफिन बॉक्स और पानी की बोतल वितरित की। इस दौरान स्वास्थ्य जांच शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हे मच्छरदानी एवं आवश्यक दवाई प्रदान किया गया। वहीं विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के अंतर्गत चयनित हितग्राहियों को सामग्री का वितरण किया गया। चैपाल में जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, अपर कलेक्टर सीपी बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग, सहायक कलेक्टर विपिन दुबे, एसडीएम श्री शंकर लाल सिन्हा, एसडीओपी श्री लक्ष्मण पोटाई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आरटीआई के जरिए जिला शिक्षा अधिकारी से मांगी गई सेवा संबंधी जानकारी, शिक्षा विभाग में बढ़ी हलचल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के शिक्षा विभाग से जुड़ी अहम जानकारी हासिल करने के उद्देश्य से पत्रकार इंद्रमोहन शर्मा ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर-चांपा में आरटीआई आवेदन प्रस्तुत किया है। आवेदन में वर्तमान जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा की नियुक्ति से लेकर अब तक की संपूर्ण सेवा संबंधी जानकारी मांगी गई है। आवेदन में आरटीआई अधिनियम की धारा 6(1) के अंतर्गत शासकीय अभिलेखों में दर्ज सूचनाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है, ताकि प्रशासनिक पारदर्शिता और जनहित सुनिश्चित हो सके। पत्रकार द्वारा मांगी गई जानकारी में अशोक सिन्हा की प्रथम नियुक्ति से जुड़े सभी दस्तावेज—जैसे चयन सूची, नियुक्ति आदेश, नियुक्ति तिथि एवं ज्वाइनिंग आदेश—की प्रमाणित छायाप्रति शामिल है। इसके साथ ही नियुक्ति से संबंधित पूरी फाइल की नोटशीट और पत्रावली की प्रतियां भी मांगी गई हैं। आरटीआई आवेदन में यह भी मांग की गई है कि विभाग द्वारा अब तक दी गई सभी पदोन्नतियों से संबंधित आदेश, प्रस्ताव, अनुमोदन एवं फाइल नोटशीट की प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही उनकी सेवा पुस्तिका (सर्विस बुक) के प्रथम पृष्ठ से अंतिम पृष्ठ तक की प्रमाणित छायाप्रति देने का अनुरोध किया गया है। इसके अतिरिक्त, अशोक सिन्हा की अब तक की सभी पदस्थापन एवं स्थानांतरण आदेशों की प्रमाणित प्रतियां, तथा यदि उनके विरुद्ध किसी प्रकार की शिकायत, जांच या विभागीय/अनुशासनात्मक कार्रवाई दर्ज हुई हो, तो उससे संबंधित जांच रिपोर्ट, आदेश एवं नोटशीट की प्रतियां भी मांगी गई हैं। आवेदन में यह भी उल्लेख है कि यदि विभागीय अधिकारियों द्वारा वार्षिक संपत्ति विवरण प्रस्तुत किया गया हो, तो उसकी प्रमाणित प्रतियां भी उपलब्ध कराई जाएं। इंद्रमोहन शर्मा ने आवेदन में स्पष्ट किया है कि यदि मांगी गई सूचना का कोई भाग संबंधित कार्यालय में उपलब्ध न हो, तो आरटीआई अधिनियम की धारा 6(3) के तहत उसे संबंधित कार्यालय को प्रेषित कर इसकी सूचना आवेदक को दी जाए। साथ ही, यदि सूचना उपलब्ध कराने के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क देय हो, तो उसकी जानकारी लिखित रूप में दी जाए। आवेदन के साथ नियमानुसार 10 रुपये का शुल्क संलग्न किया गया है और अधिनियम में निर्धारित 30 दिनों की समय-सीमा के भीतर सूचना उपलब्ध कराने की मांग की गई है। इस आरटीआई आवेदन के बाद जिले के शिक्षा विभाग में हलचल तेज हो गई है। अब देखना यह होगा कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर विभाग द्वारा मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराई जाती है या नहीं।

नगर पालिका के प्लेसमेंट कर्मचारियों के साथ हुआ त्रिपक्षीय बैठक, प्रदेश में पालिका के इतिहास में पहली बार हुआ त्रिपक्षीय बैठक

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :- कांकेर नगर पालिका में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों के साथ आज सीएमओ और ठेकेदार के बीच त्रिपक्षीय बैठक सम्पन्न हुआ। उक्ताशय की जानकारी यूनियन के महासचिव दिलीप साहू ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यूनियन ने सीएमओ से यह मांग करते हुए आ रहे थे कि यूनियन के प्रतिनिधियों के साथ ठेकेदार और सीएमओ की बैठक आयोजित कर कर्मचारियों के समस्या का निराकरण किया जाय। उन्होंने बताया कि यूनियन की मांगों के तहत आज हुई बैठक में मुख्य रूप से प्रत्येक माह के 10 तारीख को कर्मचारियों का वेतन भुगतान करने की मांग पर ठेकेदार ने कर्मचारियों के इस मांग को स्वीकार करते हुए अगले माह से प्रत्येक माह के वेतन 10 तारीख तक भुगतान करने का बात कहा। उल्लेखनीय है कि नगर पालिका में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों का वेतन कभी कभी दो माह बाद भी भुगतान किया जाता रहा है। आमतौर पर माह के 25 से 26 तारीख तक वेतन भुगतान होता है। यूनियन ने ठेकेदार से वेतन पूर्व वेतन पर्ची वितरित किए जाने पर बल दिया जिसे ठेकेदार ने स्वीकार कर लिया। गौरतलब है कि अभी किसी भी कर्मचारियों को वेतन पर्ची वितरित नहीं किया जाता है। जिसके कारण कर्मचारियों को जानकारी नहीं मिल पाता था कि उनको किस दर में कितने कार्यदिवस का वेतन भुगतान हो रहा है और किन किन मदो पर कितनी राशि की कटौती हो रही है। अब वेतन पर्ची मिलने के बाद कर्मचारी को यह सभी जानकारी उपलब्ध हो जाएगी। यूनियन नेता ने ठेकेदार से ई एसआई कार्ड में त्रुटि और परिवार के सदस्यों का नाम जोड़ने का मांग रखा जिस पर सहमति बनी कि ई एसआई कार्ड के त्रुटियों को सुधारने में ठेकेदार उचित कार्यवाही करेगा। यूनियन प्रतिनिधि ने यह मांग भी रखा कि ठेकेदार का एक सुपरवाइजर कांकेर में स्थाई रूप से कार्य करे। क्योंकि प्लेसमेंट कर्मचारियों की रोजमर्रा की समस्या का समाधान वो सुपरवाइजर कर सके। इस पर भी सहमति बनी है कि ठेकेदार का सुपरवाइजर स्थाई रूप से कांकेर में रहेंगे।

कुछ और मुद्दे भी थे जिन मुद्दे पर यह सहमति बनी कि इन मुद्दों पर चर्चा जारी रहेगी। आगामी त्रिपक्षीय बैठक में उन मुद्दों पर ठोस निर्णय लिया जाएगा। जिसमें मुख्य रूप से सालाना बोनस भुगतान का मुद्दा था। बैठक में भाव सिंह कश्यप, द्वारका कोसरिया, अरुण वाल्मीक, कामेंद्र गिरी, प्रशांत रजक, राकेश बिछिया, राज रजक, मुख्य रूप से मौजूद थे।

टेस्ट ऑफइंडिया अवॉर्ड सीजन 2 के लिए बिहार के ओल्ड चंपारण मीट हाउस के सी.ई.ओ गोपाल कुशवाह को

भारत के सुप्रसिद्ध मास्टर शेफसंजीव कपूर के हाथों किया गया सम्मानित

अहुना हांडी मटन के लिए संजीव कपूर ने खुद आकर अपने हाथों यह सम्मान से उन्हें नवाजा और इसके लिए उन्हें बधाईयां भी दी।

जित बैंगलोर/मूक पत्रिका

बिहार के मटन आहुना और उसके स्वाद के लिए सुप्रसिद्ध ओल्ड चंपारण मीट हाउस आज दुनियाभर में प्रसिद्ध है। फिल्मी बॉलीवुड कलाकार हो या आम लोग जो बाहर से बिहार आते हैं तो वो पटना स्थित ओल्ड चंपारण मीट हाउस जरूर आते हैं। विशेष कर आहुना मटन के लिए जिन्हें ओल्ड चंपारण मीट हाउस के सी.ई.ओ गोपाल कुशवाह खुद तैयार करते हैं। बैंगलोर में एक अवार्ड समारोह में भारत के सुप्रसिद्ध मास्टर शेफ संजीव कपूर के हाथों ओल्ड चंपारण मीट हाउस के सी.ई.ओ गोपाल कुशवाह जी को सम्मानित किया गया। इस समारोह में संजीव कपूर जी ने गोपाल कुशवाह के लिए बहुत तारीफ की और आने वाले समय के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर गोपाल जी ने संजीव कपूर जी के लिए तहे दिल से आभार प्रकट कर धन्यवाद किया। आगे गोपाल जी ने बताया की यह पल हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण ओर खास था जिसे मैं पूरी जीवन याद रखूंगा। गोपाल कुशवाह ने मंच पर ट्रेड मार्क को लेकर पुरानी यादगार बातें साझा कर बताया की इनका मटन पूरे बिहार में फेमस हो गया था और बिहार से निकलकर देश के दूसरे राज्यों में फैल गया था, इसके बाद इन्हें किसी ने ट्रेड मार्क के बारे में बताया। गोपाल कुशवाहा बताते हैं की उन्हें शुरू में ट्रेड मार्क के बारे में कुछ नहीं पता था। यहां कहां से मिलता है, कैसे मिलता है आदि। बाद में इनके किसी जानने वाले शख्स ने दिल्ली के एक वकील का फेन नंबर दिया। फिर ट्रेड मार्क लेने की प्रक्रिया शुरू हुई। और आज यह एक ब्रांड बन चुकी है जिसके लिए मै सभी लोगों का आभार प्रकट करता हु और यह सम्मान सिर्फ मेरे खुद का नहीं उन सभी भाईयों का जिन्होंने बुरे वक्त में मेरे साथ रहें और अपने ग्राहकों का भी जिन्होंने मुझपर भरोसा कर इसे अपनाया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।